वर्ष-12 , अंक-37 प्रयागराज, रविवार 15 सितम्बर 2024 से शनिवार 21 सितम्बर 2024 तक — पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

Download From Google Play Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटर्वक

नगर संस्करण 12 वर्ष विश्वास के

वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत में बढ़ेंगी 624 सीटें, 16 सितंबर को पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। वाराणसी-नई दिल्ली के वंदे भारत में 624 सीटें बढ़ जाएंगी। इससे पूर्वांचल से दिल्ली का सफर करने वाले यात्रियों का सफर आसान होगा।सांस्कृतिक राजधानी काशी से

देश की राजधानी दिल्ली को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस में 624 सीटें बढ़ जाएंगी। प्रयागराज और कानपुर होकर दिल्ली आवाजाही करने वाली दोनों वंदे भारत में चार-चार कोच बढ़ाएं जा रहे हैं। पहले सिर्फ एक ही ट्रेन में यह व्यवस्था हो रही थी, लेकिन रेलवे बोर्ड ने दोनों ट्रेन में चार-चार कोच बढ़ाए जाने का आदेश दिया है इस प्रकार 16-16 कोच वाली वंदे भारत 20-20 कोच से लैस होकर चलेंगी। एक कोच में 78 सीटें होंगी। इस तरह आठ कोच में 624 बर्थ यात्रियों को मिलेगा। 22315 वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 6 बजे कैंट स्टेशन से रवाना होकर दोपहर 2 बजे दिल्ली पहुंचती है।वहीं, 22435 वंदे भारत एक्सप्रेस अपराह्न तीन बजे कैंट से खुलती है और रात 11 बजे दिल्ली पहुंचती हैं। उधर, दिल्ली से सुबह छह बजे 22436 वंदे भारत रवाना होती है। दोपहर 2 बजे वाराणसी कैंट पहुंचती है। अपराह्न तीन बजे 22416 वंदे भारत रवाना होकर रात 11 बजे कैंट पहुंचती है।आने वाले दशहरा, दिवाली और छठ पूजा में लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को इस व्यवस्था से बहुत राहत होगी। रेल अधिकारियों के अनुसार आने वाले समय में अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों में भी स्लीपर और वातानुकूलित कोच की संख्या बढ़ाए जाएगी। 16 सितंबर की शाम 4 बजे कैंट स्टेशन से दोनों रैक का शुभारंभ होगा।20 कोच से लैस होकर भले ही वंदे भारत चलेगी, लेकिन ट्रायल सबसे छोटी दूरी के लिए होगा। कैंट वाराणसी से शुभारंभ के बाद वंदे भारत पहले ठहराव यानी प्रयागराज में 15 मिनट गुजारने के बाद पुनः कैंट लौट आएगी। उत्तर रेल अधिकारियों ने 15 और 16 सितंबर को वंदे भारत शुभारंभ की तैयारियों की शुक्रवार को समीक्षा की। विभागवार अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियां तय की गईं बाबा विश्वनाथ से बाबा बैजनाथ के बीच वंदे भारत ट्रेन 15 सितंबर को ट्रैक पर उतर जाएगी। पहले दिन सिर्फ उद्घाटन स्पेशल 02249 बनकर वंदे भारत चलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ट्रेन को सुबह 11 बजे वर्चुअल हरी झंडी दिखाएंगे। वहीं, 16 सितंबर से ट्रेन नियमित होगी। आठ कोच की 22500 वंदे भारत ट्रेन कैंट स्टेशन से सुबह 6.20 बजे खुलेगी। दोपहर 1.40 बजे देवघर पहुंचेगी। वापसी में 22499 देवघर से दोपहर 3.15 बजे चलकर रात 10.30 बजे कैंट पहुंचेगी। यह ट्रेन मंगलवार को छोड़कर हफ्ते में छह दिन चलेगी।

भदोही में सपा विधायक और उनकी पत्नी के खिलाफ एफआईआर नाबालिग नौकरानी ने आवास पर की थी खुदकुशी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। भदोही पुलिस ने सपा विधायक जाहिद जमाल बेग और उनकी पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। श्रम प्रवर्तन अधिकारी जाहिद बेग के आवास में रविवार की रात में 17 वर्षीय किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसके बाद अधिकारियों के निर्देश पर श्रम विभाग, बाल कल्याण समिति, जिला सीमा बेग के खिलाफ बाल श्रम, बंधुआ श्रम समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कराया। मुकदमे में आत्महत्या करने वाली नौकरानी का जिक्र किया गया है। जिसमे कहा

जे पी सिंह ने मुकदमा दर्ज कराया है। भदोही के सपा विधायक जाहिद जमाल बेग और उनकी पतनी सीमा बेग के खिलाफ शुक्रवार की देर रात विभिन्न धाराओ में मुकदमा दर्ज किया गया। बाल कल्याण समिति के चेयरमैन पीसी उपाध्याय की संस्तुति पर श्रम विभाग ने केस दर्ज कराया। मुकदमे में बरामद नौकरानी के साथ मारपीट और प्रताड़ित करने का भी जिक्र किया गया है। भदोही नगर के मालिकाना मुहल्ले में विधायक प्रोबेशन विभाग की टीम ने जांच किया। उसी दौरान सरौई गांव की एक किशोरी को बरामद किया। मेडिकल और बयान दर्ज करने के बाद नाबालिग नौकरानी को प्रयागराज स्थित बाल संरक्षण गृह भेजा गया। शुक्रवार को उक्त मामले में बाल कल्याण समिति के चेयरमैन ने श्रम प्रवर्तन अधिकारी को विधिक कार्रवाई की संस्तुति करते हुए पत्र लिखा। श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने देर रात भदोही कोतवाली में विधायक जाहिद बेग और उनकी पत्नी गया है कि नौ साल से वह विधायक के यहां काम करती थी। जिसे पैसा भी नही दिया जाता। मारपीट और प्रताड़न से परेशान होकर वह मुंबई भागने का प्लान भी बनाई लेकिन दूसरी नौकरानी मोनी के कहने पर नही गई। अब मुकदमा दर्ज होने से विधायक संग उनके कुनबे की भी मुश्किलें बढ़नी तय हो गई है। एसपी मीनाक्षी कात्यायन ने कहा कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

30 साल बाद बाहर निकले तीन फीट के महाबलेश्वर, खोदाई के बाद अब आमजन को सुलभ होंगे दर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

काशा। काशी में अब आमजन को सुलभ महाबलेश्वर महादेव के दर्शन होंगे। पूजन-अर्चन के लिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास को जिम्मेदारी मिलेगी। काशी में विराजमान महाबलेश्वर महादेव के दर्शन अब आम श्रद्धालुओं के लिए सुलभ होगा। केंद्रीय

ब्राह्मण महासभा और काशी की जनता की पहल पर वीडीए ने इसे चिह्नित करने का काम शुरू कर दिया है। तीस साल से जमीन के अंदर धंसा शिवलिंग अब उभरकर सामने आ गया है। मंदिर में पूजन का इंतजाम कराने के लिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास को जिम्मेदारी दी जाएगी। सूरजकुंड मोहल्ले में तीस सालों से शनिदेव के रूप में पूजित हो रहे महाबलेश्वर महादेव के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू हो गया है। केंद्रीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अजय शर्मा की पहल पर वीडीए ने जब मोहल्ले में खोदाई कराई तो सात इंच का विग्रह जमीन में ढाई फीट से अधिक नीचे था। वर्तमान में महाबलेश्वर महादेव का तीन फीट का विग्रह सामने आ चुका है। तीन दशक से स्थानीय लोग इस विग्रह को शनिदेव का विग्रह मानकर इसकी पूजा कर रहे थे। अब मंदिर में शेड लगाने के साथ ही जीर्णोद्धार का काम भी शुरू हो चुका है। प्रदेश अध्यक्ष ने विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, मेयर अशोक तिवारी, पीएमओ और न्यास अध्यक्ष प्रो. नागेंद्र पांडेय को पत्र सौंपकर महाबलेश्वर महादेव का वैदिक पूजन शुरू कराने का अनुरोध किया है। विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने विधायक निधि से इसका सुंदरीकरण कराने का आश्वासन दिया है। वहीं, न्यास अध्यक्ष प्रो. नागेंद्र पांडेय ने न्यास की ओर से महाबलेश्वर महादेव का वैदिक पूजन कराने की बात कही है।काशी में स्वयंभू प्राकट्य महाबल लिंग मुखलिंग है। तीन दशक से भी अधिक समय से नाम अज्ञात होने के कारण और मुखलिंग होने के कारण अज्ञानवश इन्हें शनि के रूप में पूजा जाने लगा। सिंदूर का लेपन कर क्षेत्र निवासी तेल चढ़ाने लगे।

गंगा यमुना का तेजी से बढ़ता जलस्तर एक बार फिर से मां गंगा ने लेटे हनुमान जी को कराया स्नान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। गंगा यमुना के बढ़ते जलस्तर के कारण कछारी इलाकों में रहने वाले लोगों की बड़ी मुश्किले संगम नगरी प्रयागराज पिछले कुछ दिन से कम हो रहे गंगा यमुना के जलस्तर में एक बार फिर तेजी से बढ़ोतरी हुई है। कल सुबह से गंगा यमुना के जलस्तर में तेज़ी से हुई बढ़ोतरी ने अफसरों सहित सभी के होश उड़ा दिए हैं। ऐसे में बाढ़ का खतरा एक बार फिर मंडराने लगा है। फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 79.65 मीटर दर्ज किया गया, वहीं छतनाग में गंगा का जलस्तर 78.60 मीटर रिकार्ड किया गया। यहां भी महज चार घंटे में 50 सेंटीमीटर यानी लगभग आधा मीटर जलस्तर बढ़ गया है। वहीं देर रात एक बार फिर से मां गंगा ने लेटे हनुमान जी को स्नान कराया और विधि विधान से पूजा अर्चना करने के बाद मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए हैं वहीं घाट पर रहने वाले लोग अब पीछे की ओर आ गए हैं तो संगम के साथ अन्य घाटों पर भी बाढ़ जैसी स्थिति है कछारी इलाकों में रहने वाले लोगों की एक बार फिर से मुश्किलें बढ़ गई हैअफसरों का कहना है कि मध्य प्रदेश की ओर बारिश व बाढ़ के कारण यह स्थिति बनी है।

शहर से देहात तक 185 मकान गिरे एक की मौत नुकसान का हो रहा सर्वे दिया जाएगा मुआवजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। आगरा में बारिश ने जमकर कहर बरपाया। शहर से

लेकर देहात तक 185 मकान गिर गए, जिसमें 120 पक्के और 65 कच्चे मकान शामिल हैं। एक युवक की मौत हुई है, वहीं चार लोग घायल हुए हैं। आगरा में दो दिन की भारी बारिश मकानों पर कहर बनकर टूटी। जिले में 185 मकान बारिश के कारण गिर गए। इनमें से 120 पक्के और 65 कच्चे मकान हैं। इनके अलावा 3 झोपडियां और 7 पशुशालाओं को भी नुकसान पहुंचा है। बारिश से गिरे मकानों के मलबे में दबकर एक की मौत हुई है जबकि चार लोग घायल हुए हैं। जिला प्रशासन ने शुक्रवार को सभी 6 तहसीलों में मकानों के गिरने का सर्वे कराया, जिसकी रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है।डीएम भानुचंद्र गोस्वामी ने बताया कि जिले में 185 मकानों को क्षति पहुंची है। प्रशासन ने सहायता के लिए तहसील सदर, किरावली, एत्मादपुर, खेरागढ़, फतेहाबाद और बाह में सर्वे कराया, जिसके बाद 12.33 लाख रुपये की आर्थिक मदद लोगों के बैंक एकाउंट में भेजी गई है

मत्स्य विभाग की योजनाओं का जनपद में व्यापक स्तर पर किया जाए प्रचार-प्रसार- मत्स्य मंत्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा मत्स्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ शत् प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को प्राप्त हो सके इस उद्देश्य से मंत्री मत्स्य विभाग उत्तर प्रदेश डॉ संजय कुमार निषाद ने कलेक्ट्रेट के सभागार में मत्स्य विभाग के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए मत्स्य विभाग के अधिकारियों से कहा कि मछुआ समुदाय के कल्याण के लिए जो भी योजनाएं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित की जा रही हैं उनका लाभ पात्रों को दिलायें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे। इसलिए अधिकारीगण अभियान चला कर योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का काम करें। माननीय मंत्री ने कहा कि मछुआ समुदाय के कल्याण के लिए चलाई जारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने जिला मत्स्य अधिकारी को निर्देश दिए कि विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर

योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और साथ ही साथ योजनाओं का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार भी जिला मत्स्य अधिकारी आशीष कुमार मौर्य ने बैठक में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषाद राज बोट सब्सिडी योजना, मत्स्य पालक कल्याण कोष योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, सामूहिक छुआ दुर्घटना बीमा, ग्राम सभा के तालाबों का 10 वर्षीय पट्टा आदि योजनाओं की वर्तमान तक की प्रगति रिपोर्ट से माननीय मंत्री जी को अवगत कराया। मंत्री जी ने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप जनपद में मत्स्य विभाग द्वारा की गई प्रगति पर अपना संतोष प्रकट किया। मा0 मंत्री ने कहा कि आगे भी इसी प्रकार से निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप पात्र व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया जाए। माननीय मंत्री ने तालाबों के सौंदर्यकरण के निर्देश दिए। साथ ही विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मत्स्य पालकों हेतु विद्युत विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का पात्र व्यक्तियों तक लाभ पहुंचाया जाए। तालाबों के लिए विद्युत कनेक्शन दिए जाएं और साथ ही साथ पर्याप्त मात्रा में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। नलकूप विभाग को पर्याप्त मात्रा में जलापूर्ति हेतु निर्देशित किया। माननीय मंत्री ने मत्स्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में थाई मांगुर मछली की बिक्री प्रतिबंधित रहे। थाई मांगुर मछली को भारत में प्रतिबंधित किया गया है। क्योंकि थाई मांगुर मछली मांस खाती है, जिससे इसका शरीर तेज़ी से बढ़ता है। इसमें आयरन और लेड की मात्रा बहुत ज़्यादा होती है। यह मछली गंदे पानी में रहती है और सड़ा-गला मांस खाती है। इस मछली के खाने से कैंसर जैसी घातक बीमारियां हो सकती हैं। यह मछली दूसरी मछलियों को भी अपना शिकार बनाती है। यह मछली जिस तालाब या जलाशय में रहती है, वहां दूसरी प्रजाति की कोई भी मछली या कीड़े-मकोड़े नहीं बचते। थाई मांगुर मछली का वैज्ञानिक नाम क्लेरियस गेरीपाइंस है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने मा0 मंत्री जी को आश्वस्त किया कि मत्स्य विभाग के विकास कार्यों को और गति से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से जो आज आपके द्वारा निर्देश दिए गए हैं, उनका संबंधित विभागों के अधिकारियों के माध्यम से शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराते हुए पात्र व्यक्तियों तक मत्सय विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य सुनिश्चित कराया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, उपनिदेशक मत्स्य नियोजन मुख्यालय एजाज अहमद नकवी, उपनिदेशक मत्स्य मेरठ मंडल मेरठ सुचिता गुप्ता, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक, अधिशासी अभियंता खंड गंगानगर, अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कासगंज के बाद आगरा में महिला अधिवक्ता की हत्या पति की हालत गंभीर जेठ के परिवार पर आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। कासगंज में महिला अधिवक्ता की हत्या की आग अभी भी गंभीर घायल हैं। पुलिस ने जेठ-जेठानी सहित 7 के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी घर से फरार

शांत भी नहीं हुई कि आगरा में भी एक महिला अधिवक्ता का कत्ल कर दिया गया। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आगरा के अमरपुरा (जगदीशपुरा) में सबमर्सिबल पंप सही कराने के विवाद में बड़े भाई ने छोटे भाई पर हमला बोल दिया। छोटे भाई की अधिवक्ता पतनी शालिनी राजपूत को डंडे और सरिया से पीटा। उनके सिर में गहरी चोट लगी। उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उनके पति है। अधिवक्ता शालिनी राजपूत के पति मनोज राजपूत चांदी की पायल का काम करते हैं। उनकी शादी को 10 साल हुए थे। मनोज और उनके बड़े भाई अजय अलग-अलग घर में रहते हैं। मनोज के घर के बाहर सबमर्सिबल पंप लगा हुआ है। पंप खराब हो गया था। बुधवार दोपहर को वह पंप को सही कहा रहे थे। इसका चैंबर भी बनाया जाना था। आरोप है कि पंप को सही कराने के दौरान शालिनी के जेठ अजय, जेठानी सपना, दीपक, पूजा, पुष्पा देवी, राजकुमारी, आकाश सहित अन्य लोग आ गए। उन्होंने लाठी-डंडे और सरिया से हमला बोल दिया। शालिनी और मनोज को बेरहमी से पीटा। उनके सिर में गंभीर चोट लगीं। परिजन ने उन्हें सिकंदरा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बृहस्पतिवार को हालत बिगड़ने पर उन्हें एसएन मेडिकल कालेज इमरजेंसी में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मृतका के भाई शिवशंकर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी चचिया सास राजकुमारी को गिरफ्तार किया है। अन्य फरार हैं। अधिवक्ता शालिनी की हत्या से दीवानी के अधिवक्ताओं में आक्रोश है। विभिनन्न बार एसोसिएशन ने कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि अधिवक्ताओं के साथ लगातार घटनाएं हो रही हैं। इसके बावजूद पुलिस कार्रवाई में लापरवाही बरत रही है। शालिनी के साथ दो दिन पहले घटना हुई थी, लेकिन पुलिस एक ही आरोपी को पकड़ सकी। मुख्य हमलावर अब तक फरार हैं। शालिनी के दो बेटे गणेश और लड्डू हैं। परिवार के लोगों ने बताया कि शालिनी की मौत के बाद बच्चे कैसे रह पाएंगे। उन्हें कौन संभालेगा। यही चिंता सभी को सता रही है। परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

हमीरपुर-जालौन के दर्जनों गांव जलमगन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। बुंदेलखंड और कानपुर मंडल के जिलों में बुधवार की रात शुरू हुई बारिश का सिलसिला बृहस्पतिवार देर रात तक रुक-रुककर चलता रहा। इसके चलते गंगा-यमुना के साथ ही केन और बेतवा भी उफना गई हैं। हमीरपुर-जालौन, बांदा-चित्रकूट और फर्रुखाबाद में नदी के तटवर्ती इलाके जलमगन हो गए हैं। हमीरपुर व जालौन के दर्जनों गांव पानी से घिरे हुए हैं। उधर हरदोई में शुक्रवार को 90 मिमी. बारिश रिकॉर्ड की गई। पूरे प्रदेश में कच्चे मकान गिरने की घटनाओं में 17 लोगों की मौत हो गई। बुंदेलखंड की सभी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। हमीरपुर में यमुना व बेतवा नदियों पर स्थित बांध पूरे भर गए हैं। इनसे धीरे-धीरे पानी छोड़ा जा रहा है। केन नदी का जलस्तर बढ़ने से मौदहा क्षेत्र का गढ़ा गांव पानी से घिर गया है। यहां के लोग नावों से आवाजाही कर रहे हैं। वहीं बेतवा में बाढ़ के चलते कुरारा क्षेत्र के पारा कंडौर गांव स्थित नाले का रपटा डूबने से लोग नाव से आवागमन करने को मजबूर हैं।मुख्यालय से सटे सिड़रा गांव में बेतवा का पानी घुसने से कई घर डूब गए। बेतवा का पानी बस्ती के निकट पहुंच गया है। सरीला क्षेत्र के बिलगांव, कुपरा व मंगरौल गुरौली में नाव के माध्यम से हो आवागमन हो रहा है।

यूपी के 29 आईएएस अफसरों के तबादले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। यूपी में शुक्रवार देर रात एक बार फिर से प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल किया गया है। कई जिलों के आईएएस अफसरों को इधर से उधर किया गया है। कई जिलों के डीएम का ट्रांसफर किया गया है।उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने शुक्रवार देर रात 29 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। कई जिलों के जिलाधिकारियों के भी तबादले किए गए हैं। मेरठ-प्रयागराज और जौनपुर- मुजफ्फरनगर जैसे जिलों के डीएम शामिल हैं। सरकारी लिस्ट के अनुसार, सभी अधिकारियों को तत्काल नए पदों की जिम्मेदारी ग्रहण करने के निर्देश जारी हुए हैं। यूपी सरकार द्वारा जारी के आदेश के मुताबिक, बरेली की नगर आयुक्त निधि गुप्ता अमरोहा की डीएम, फिरोजाबाद के नगर आयुक्त घनश्याम मीना हमीरपुर, डॉ. दिनेश चंद्र को

जौनपुर और जौनपुर के डीएम रविंद्र मंदर को प्रयागराज का डीएम बनाया गया है। मुजफ्फरनगर के जिलाधिकारी अरविंद मलप्पा भंगारी को आगरा का जिलाधिकारी बनाया गया है। प्रयागराज के डीएम नवनीत चहल आजमगढ़ के डीएम बनाए गए हैं। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के वीसी अरविंद चौहान को शामली का जिलाधिकारी बनाया गया है। शामली के जिलाधिकारी रविंद्र सिंह को फतेहपुर के डीएम बनाए गए हैं। आगरा के डीएम भानु चंद्र गोस्वामी को प्रभारी राहत आयुक्त के पद पर तैनाती दी गई है। इसके अलावा पीसीएस देवेंद्र पाल सिंह बदायूं के नए नगर मजिस्ट्रेट बने हैं। नगर विकास विभाग के विशेष सचिव धर्मेंद्र प्रताप सिंह को शाहजहांपुर का जिलाधिकारी बनाया गया है। फतेहपुर की जिलाधिकारी इंदुमती को चीनी उद्योग तथा गनन विकास विभाग की विशेष सचिव बनाया गया है। फिरोजाबाद नगर निगम के नगर आयुक्त घनश्याम मीना को हमीरपुर का जिलाधिकारी बनाया गया है। हमीरपुर के जिलाधिकारी राहुल पांडेय हाथरस के डीएम बने हैं। राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के निदेशक अंजनी कुमार सिंह को मैनपुरी के जिलाधिकारी के पद के तैनाती दी गई है। शाहजहांपुर के जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के विशेष सचिव के तौर पर तैनाती दी गई है।

Untitled-1.pmd 2 9/14/2024, 11:54 AM

सड़क दुर्घटना में एक की मौत दो गंभीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रामगढ़,सोनभद्र। पनुगान थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर बाद कर वह बाइक के टक्कर में एक बाइक सवार 60 वषिय्य अधेड़ की मौत दो गंभीर किए गए रेफर।पनून्गंज थाने के एस एस आई कुंवर सिंह ने बताया कि शुक्रवार दोपहर बाद रावटसगंज की तरफ से एक बाइक पर तीन लोग आ रहे थे कि रामगढ़ बाजार में एक पेट्रोल पंप के समीप एक कर में जा टकराया जिससे तीनों घायलों को उपचार के लिए तियरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के दौरान खजबुद्दीन 60 वर्षी को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया वहीं घायल मृतक की पतनै शिबुल डीबी 55 वर्षीय एवं दामाद समीम 26 वषिय्य गंभीर रूप से घायल बताए गए जिनको उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया वहीं प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों घायलों को गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल द्वारा वाराणसी रेफर कर दिया गया एस एस आई कुंवर सिंह ने बताया कि जिला बिहार थाना अधौरा माडप गांव निवासी खुशबुद्दीन पत्नी शिबुल डीबी अपने दामाद के घर धर्मदासपुर थाना रामपुर बरकोनीया के माता की तबीयत खराब रावटसगंज में दवा इलाज चल रहा जिसको देखने गए हुए थे कि रावटसगंज से वापस अपने दामाद समीम के साथ एक ही बाइक पर तीनों आ रहे थे आते समय रामगढ़ बाजार में एक कर से दुर्घटना हो गई जिसमें आसपास के लोगों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई जिस पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया वही श्री सिंह ने बताया कि परिजनों द्वारा किसी प्रकार से तहरीर नहीं दी गई है शरीर मिलते ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रत्र देकर हटवाने की मांग की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। आरटीआई कार्यकर्ता कमलेश पाण्डेय अवगत कराते हुए कार्यरत नोडल अधिकारी कीर्ति आजाद बिंदु ने झोलाछाप हॉस्पिटल क्लीनिक पैथोलॉजी भारी तरीके से भूमिका है अति पिछड़ा आदिवासी जनपद होने के नाते उत्तर प्रदेश सरकार छवि धूमि हो रहा है नोडल अधिकारी कल्याणकारी योजना जनता के नहीं पहुंच पा रहा है इनके ऊपर कर प्रणाली आम जनमानस को भुगतना पड़ रहा है आदिवासी जनता कोई भी कल्याणकारी योजना सरकार का आदेश अनुसार जनता तक नहीं पहुंच पा रहा है और बंटाधार किया जा रहा है सरकारी वाहन प्रतिदिन जनपद में नोडल अधिकारी 70 किलोमीटर चलती है वहां शाम तक वापस आती है सरकारी की योजनाओं को बताने के लिए कोई योजना नोडल द्वारा नहीं दिया जा रहा है और उत्तर प्रदेश सरकार दुरुपयोग किया जा रहा है जनपद सोनभद गैर पंजीकृत है हॉस्पिटल क्लिनिक पैथोलॉजी संचालित करके गरीब आदिवासी जनमानस का शोषण किया जा रहा

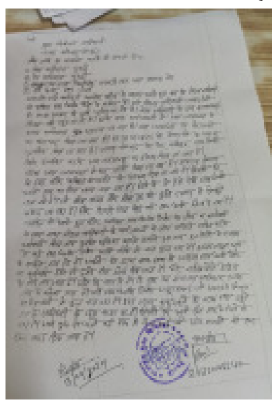

है जनमानस प्रतिदिन काम करते हैं पैसा मिलता है बच्चों का खिलाना पिलाना उसी में बीमार हो जाते हैं गुमराह झोलाछाप हॉस्पिटल गलत तरीके से फर्जी तरीके से पैथोलॉजी हॉस्पिटल क्लिनिक इलाज करवाते हैं ज्यादा से ज्यादा धन का उगाई किया जाता है स्वास्थ्य विभाग के द्वारा गैर पंजाकृत संचालक संरक्षण दिया जा रहा है जिससे कि फर्जी हॉस्पिटल क्लिनिक पैथोलॉजी बोल वाला चल रहा है और बिना दूसरे जनपद डिग्री लगाकर धडल्ले से खोल दिया जाता है जनहित के लिए देखते हुए हॉस्पिटल क्लिनिक पैथोलॉजी पंजीकृत सही जांच किया जाए कोई भी नहीं मिलेगा चट्टी चौराहा नगर नोडल अधिकारी का चर्चा विषय बनता जा रहा है टीम गठित करके जांच करवाया जाए दूध का दूध पानी का पानी मिल जाएगा और सबके सामने क्लीन भी हो जाएगा चट्टी चढ़ाई पर फर्जी तरीके से क्लिनिक पैथोलॉजी हॉस्पिटल नोडल के मेहरबानी से फल फूल रहा है इसका नमूना आप लोगों के सामने धडल्ले से मैं रख रहा हूं हॉस्पिटल क्लिनिक पैथोलॉजी नोटिस देकर और बंद कर दिया जाता है कुछ दिनों के बाद हेडिंग के साथ खोल दिया जाता है।

थाना ओबरा पुलिस द्वारा 13 नफर वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में

जनपद में वाँछित/वारण्टी/पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी ओबरा के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक ओबरा के नेतृत्व में थाना ओबरा पुलिस टीम द्वारा भिनन्-भिनन् मामलों में कुल 13 नफर वारण्टी अभियुक्तों जिनके विरूद्ध मा0 न्यायालय से एनबीडब्लू व 82 सीआरपीसी के तहत गिरफ्तारी का आदेश जारी किया गया था, जो लगातार काफी समय से फरार चल रहे थे तथा मा0 न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हो रहे थे, जिनकी गिरफ्तारी आज दिनांक 13.09.2024 को की गयी तथा गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगणों को सम्बान्धित मा0 न्यायालय पेश करने हेतु रवाना किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगणों का विवरण निमन्वत् है- **गिरफ्तारशुदा वारण्टी अभियुक्तगण-** 1- गुड्डू कुमार सेठ पुत्र राधेश्याम सेठ निवासी पूर्व पुलिस लाईन के बगल में सेक्टर 10 थाना ओबरा जनपद सोनभद्र । 2- इमरान पुत्र मो0 इब्राहिम निवासी वार्ड नं0 10 मिल्लतनगर थाना ओबरा सोनभद्र । 3- विष्णु डोम पुत्र नरेश डोम निवासी सेक्टर नं0 04 थाना ओबरा सोनभद्र । 4- खोडू उर्फ मुकेश स्वीपर पुत्र विनोद स्वीपर निवासी क्वाटर नं0 4 सेक्टर 03 थाना ओबरा सोनभद्र । 5- हीरा लाल पुत्र स्व0 रामकुमार निवासी बैरपुर टोल नदहरी थाना ओबरा जनपद सोनभद्र । 6- रामलगन पुत्र बेला प्रसाद निवासी बैरपुर टोला नदहरी थाना ओबरा सोनभद्र । 7-राजाराम विश्वकर्मा पुत्र स्वद गोविन्द निवासी टेडी टेन बैरपुर थाना ओबरा सोनभद्र । 8- रामविचारे पुत्र स्व0 रामसुन्दर निवासी परसोई टोला गाडा पाथर थाना ओबरा सोनभद्र । 9- हीला लाल पुत्र स्व0 रामकरन निवासी परसोई टोला गाडा पाथर थाना ओबरा सोनभद्र । 10- रामलखन पुत्र स्व0 राममसुन्दर निवासी परसोई टोला गाडा पाथर थाना ओबरा सोनभद्र । 11- राम गुल्ली पुत्र स्व0 घरभरन निवासी पसरोई थाना ओबरा सोनभद्र । 12- देवमुरत खरवार पुत्र रामदुलारे निवासी परसोई थाना ओबरा सोनभद्र । 13- शिववहाल पुत्र लम्बू गुजर निवासी परसोई टोला गाडा पाथर थाना ओबरा जनपद सोनभद्र ।

24 घंटे के अभियान में 2473 अभियुक्तों के विरुद्ध चालान की हुई कार्यवाही :डीआईजी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। पुलिस उपमहानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र, मीरजापुर आर.पी. सिंह के निर्देशन में शुक्रवार को परिक्षेत्र के समस्त जनपदों में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने के दृष्टिगत 24 घंटे के विशेष अभियान चलाया गया । परिक्षेत्र के समस्त जनपदों में एनबीडबल्यू के अभियुक्तों, पुरस्कार घोषित अपराधियों, विवेचना में वांछित अभियुक्तों, पार्ट विवेचना में वांछित अभियुक्तों, आबकारी अधिनियम, 170 बीएनएसएस में अभियुक्तों की गिरफ्तारी के साथ 07 वर्ष से कम सजा के अभियुक्तों पर कार्यवाही एवं 34 पुलिस एक्ट/292 बीएनएस की कार्यवाही के सम्बन्ध में विशेष अभियान चलाया गया । अभियान के क्रम में परिक्षेत्र के जनपदों में प्रभावी कार्यवाही कराते हुए पुलिस द्वारा संवेदनशील, संदिग्ध व चिन्हित स्थानों एवं जनपदों की सीमा से लगने वाले लगने वाले अंतर्जनपदीय/अंतर्राज्जीय बार्डर बैरियरों पर दबिश देकर चेकिंग करायी गयी । जिसके फलस्वरूप 24 घंटे के विशेष अभियान के अन्तर्गत मा0 न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट में कुल- 165 अभियुक्त, काफी

दिनों से फरार चल रहे कुल- 20 वांछित अभियुक्त, आबकारी अधिनियम में कुल- 21 अभियुक्त, 07 वर्ष से कम सजा के कुल- 315 अभियुक्त एवं 170 बीएनएसएस के कुल-100 अभियुक्त, इस प्रकार परिक्षेत्र स्तर पर कुल 621 अभियुक्तों की गिरफ्तारी/कार्यवाही करते हुए मा0 न्यायालय भेजा गया एवं 34 पुलिस अधिनियम/292 बीएनएस की कार्यवाही के क्रम में परिक्षेत्र के समस्त जनपदों में कुल- 2473 अभियुक्तों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही की गयी । डी.आई.जी मीरजापुर द्वारा परिक्षेत्र के जनपदों में अपराध नियन्त्रण एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रभावी कार्यवाही एवं पुलिस/प्रशासन/आबकारी की संयुक्त टीम से संवेदनशील, संदिग्ध व चिन्हित स्थानों एवं जनपदों की सीमा से लगने वाले अंतर्राज्जीय बार्डर बैरियरों पर दबिश देकर सतत् चेकिंग कराने हेतु निर्देशित किया गया । साथ ही अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ तथा वांछित/पुरस्कार घोषित/ईनामियां/गो-तस्करी के अभियुक्तों की गिरफ्तारी करते हुए उनके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीयों/प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष को अलग से निर्देश दिये गये है ।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया कार्यक्रम की गोष्ठी सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जिला संयुक्त चिकित्सालय में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अश्वनी कुमार, एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जिला संयुक्त चिकित्सालय की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया कार्यक्रम के अंतर्गत गोष्ठी, जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं स्क्रीनिंग कैम्प का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में डा0 विनीता गुप्ता, एच0ओ0डी0 एवं डा0 प्रियंका अग्रवाल, एसोसियेट प्रोफेसर, पीडियाट्रिक हिमैटोलॉजी आंकोलॉजी, आई0एम0एस0, बी0एच0यू0, द्वारा अपनी टीम के साथ, डा0 एस0एस0 पाण्डेय, डा0 प्रशान्त शुक्ला, डा0 मनोज, डा0 अशोक कुमार, ब्लड बैंक, डा0 राहुल सिंह फिजिशियन, असिस्टेंट प्रोफेसर, मेडिकल कालेज, सोनभद्र, डा0 कुमार वरूनानिधी, पैथोलॉजिस्ट, प्रभारी ब्लड बैंक, दुद्धी, राहुल कुमार कननैजिया, फाइनेन्स कम लॉजिस्टिक कंसल्टेंट के द्वारा प्रतिभाग किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय द्वारा डा0 विनीता गुप्ता, एच0ओ0डी0 एवं डा0 प्रियंका अग्रवाल, एसोसियेट प्रोफेसर, का स्वागत करते हुए किया गया। उक्त कार्यक्रम में अब तक कुल 269289 सिकल सेल प्रारम्भिक जॉच की गई जिसमें 288 पॉजिटीव (सस्पेक्टेड केस) पाये गये है। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत आज सिकल सेल एवं थैलिसिमिया के कुल 40 मरीजो का ब्लड सैपल लेकर फ्ण्थ् जॉच हेतु बी0एच0यू0 भेजा गया। तपश्चात डा0 विनीता गुप्ता, एच0ओ0डी0, पीडियाट्रिक हिमैटोलॉजी आंकोलॉजी, आई0एम0एस0, बी0एच0यू0, के द्वारा सिकल सेल और थैलिसिमिया बीमारी के बारे में लोगो बताते हुए जागरूक किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय द्वारा बताया गया कि जनपद के प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्रो पर सिकल सेल का निःशुल्क जॉच किया जाता है, समय-समय पर कैम्प के माध्यम से जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं ब्लड सैम्पल कलेक्सन किया जायेगा। जिससे की उक्त बीमारी के प्रति सभी को जागरूक करते हुए अधिक से अधिक लाभ आम जनमानस को उपलब्ध कराया जा सके।

आकाक्षात्मक ब्लॉक चतरा में पोषण माह के अंतर्गत निकली रैली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह के निर्देशन में विकास खंड रॉबट्र्सगंज में शुक्रवार को से जनपद प्रानिधि वीरेंद्र कुमार पाण्डेय द्वारा बताया गया की ग्राम पंचायत स्तर पर बच्चों का अन्नप्रासन एवं गर्भवतियों की गोंद भराई संस्कार कर

सहायक विकाश अधिकारी कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी रविन्द्र नारायण गिरी के अध्यक्षता में पोषण रैली का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान ब्लॉक सभागार में सभी आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को बाल विकास परियोजना अधिकारी द्वारा सम्बोधित करते हुए बताया गया की कुपोषण मुक्त समाज बनाने के लिए पोषण से युक्त खाद्य सामग्री के माध्यम से सभी जन समुदाय सहित सभी लाभाथिर्यों को पोषण युक्त खान पान से होने वाले लाभ के बारे में संपूर्ण जानकारी प्रदान करते हुए जन जन की भागीदारी सुनिश्चित की जाय । उक्त कार्यक्रम में पिरामल फाउंडेशन पोषण मेला का आयोजन किया जाय एवं समस्त लाभाथिर्यों को टीकाकरण से लाभ एवं गर्भवती स्त्री एवं बच्चों के देख भाल एवं उचित खान पान के बारे में बताया जाय साथ ही नीति आयोग से फेलो मनीषा सिंह एवं मुख्य सेविका रश्मि द्वारा पोषण माह में विभाग से दी जा रही योजनाओं के लाभ समेत आगामी दिनों मे जन जागरूकता हेतु सभी बिभागों से समन्यवय स्थापित कर किये जाने कार्यो पर विस्तृत चर्चा किया गया उक्त कार्यक्रम में यु पी टी एस यु से भारती पाठक पिरामल फाउंडेशन से स्वाति सुमन मुख्य सेविका माधुरी सिंह, मनीष पाण्डेय,सुभम, समेत समस्त अंगनवाड़ी उपस्थित रहीं ।

बाबू जगदेव प्रसाद का शहादत दिवस 15 को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बाबू जगदेव प्रसाद का शहादत दिवस 15 को रॉबट्र्सगंज, सोनभद्र महात्मा फुले फाउंडेशन के तत्वाधान में अमर शहीद भारत लेनिन बाबू जगदेव प्रसाद का शहादत दिवस 15 सितम्बर 2024 रविवार को प्रातः 11 बजे से रामलीला मैदान रावट्र्सगंज, सोनभद्र में मनाया जाएगा जिसमे बतौर मुख्य अतिथि छोटेलाल सिंह खरवार सांसद रावट्र्सगंज तथा डॉ0 सुषमा मौर्य राष्ट्रीय महासचिव जन अधिकार पार्टी सामिल होंगी । इस आसय कि जानकारी प्रेस को जारी बयान में कार्यक्रम आयोजक भागीरथी सिंह मौर्य ने दी ।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग लाखों के सामान जलकर खाक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। कस्बा चौकी क्षेत्र के न्यू कॉलोनी मोड़ के समीप एक इलेक्ट्रॉनिक से दुकान में अचानक आग लग गया जब तक हम लोग समझ पाए आज बहुत तेज हो गई वहीं आनन फान्न

दुकान में शुक्रवार की सुबह शॉर्ट सर्किट से लगी आग आज इतनी तेज थी की दुकान में रखें फ्रिज अलमारी इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित टेबल कुर्सी सब जलकर खाक हो गए। पीडित दुकान मालिक दीपक कुमार ने बताया कि शुक्रवार की सुबह शॉर्ट सर्किट में पुलिस को सूचना दिया गया फायर ब्रिगेड व लोगों की मदद से घण्टो प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया तब तक लगभग 20 लख रुपए के सामान जलकर खाक हो चुके थे पीडित द्वारा थाने में एप्लीकेशन देकर मामले से अवगत कराया गया।

निसार तेरी चहल-पहल पर हज़ारों ईदें रबिउल अव्वल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अंजुमन फैजान ए मिलाद के सदर जनाब हिदायत उल्ला खां ने बताया कि सिवाए इबलीस के जहां में सभी तो खुशियां मना रहे हैं कल 04.09 को ईद-ए-मिलाद 'बारावफात' का चांद नज़र आते ही इसकी तैयारियां शुरू हो गयी है। 05.09. से 16.09. तक इस पर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाया जायेगा। इसी कड़ी में अंजुमन फैजान ए मिलाद के सदर जनाब हिदायत उल्ला खां द्वारा बताया गया कि पहली तारीख से निकलने वाले छोटे बच्चों का पारम्परिक जूलूस 05.09 से 15.09 तक प्रतिदिन सांय 5.00 बजे से नई मस्जिद पूरब महाल से निकल कर पूरे शहर में भ्रमण करते हुये वापस नई मस्जिद पर आकर समाप्त होगा। उक्त जूलूस में छोटे-छोटे बच्चे पुरे जोशों खरोश के साथ सरकार की आमद मरहबा के नारों के साथ अपने प्यारे नबी के आमद के जशन में डूब कर जुलूस में शामिल होगें। नगर के सभी मुस्लिम घरों में इस्लामी परचम लगने शुरू हो चुके है, गली-गली, एवं मुहल्लों को सजाने के लिये मुहल्लों की कमेटियों ने अपना-अपना काम शुरू कर दिया है। 16.09. को भोर में लगभग 4.00 बजे नई मस्जिद पूरब महाल से सुबहे बहांरा का पारम्परिक जूलूस निकाला जायेगा जो नई मस्जिद से मेन चौक होते हुये शीतल आईसकीम के बगल से नई बस्ती होकर वापस मेन चौक पहुंचेगा। वहां से चारतल्ला के सामने से होकर बस स्टैण्ड के पीछे वाली रोड से होकर रामलीला मैदान मेन मार्केट होता हुआ पुलिस चौकी नगर पालिका रोड होते हुये वापस नई मस्जिद पर समाप्त होगा।

महिलाओं पर अपराध करने वाले बक्से नहीं जाएंगे: एसपी अशोक कुमार मीणा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। नवागत पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन चुर्क सभागार में प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से पत्रकारों से वार्ता किया बताया कि अपराध नियंत्रण एवं सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने को नवागत एसपी अशोक कुमार मीणा ने अपनी पहली प्राथमिकता बताया। इसके अलावा समस्याओं का जनसुनवाई कर शत प्रतिशत निपटारा करना होगा। अपराध के प्रति जीरो टालरेंस की नीति रहेगा। वही महकमें में अनुशासन व जनता से व्यवहार सुधार की बात पर जोर देने की बात कहीं एवं जिले की स्थिति को जाना। स्थानांतरण होने के बाद मूल रूप से राजस्थान के टोंक निवासी पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा को जिले में भेजा गया है। शुक्रवार को नवागत एसपी ने कार्यभार संभाले।उन्हों ने बताया कि सर्व प्रथम पुलिस लाइन स्थित कार्यालय में फरियादियों से मिले। दोपहर डेढ़ बजे पुलिस लाइन सभागार में मीडिया से रूबरू हुए। बताया कि 2015 बैच के आईपीएस अफसर मैरीन इंजिनियरिंग डिग्रीधारक है। उन्होंने बताया कि शाहजहाँपुर एसपी से स्थानांतरित होकर सोनभद्र आये है। वही इससे पहले वे सहारनपुर में एसपी ग्रामीण, फर्रुखाबाद और फतेहगढ़ में बतौर एसपी तैनात रहे है। एसपी के रूप में उन्हें वर्ष 2020 में फर्रुखाबाद में पहली तैनाती मिली थी। वही 23 जून 2023 को उन्हें शाहजहांपुर एसपी के रूप में तैनात किया गया था। उन्होंने अपराध नियंत्रण, सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना, महिला अपराध पर नियंत्रण बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता है।

पीएम मोदी सरकार के तोते हैं:आप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को सरकार है। इस तानाशाही हुकूमत ने अरविंद केजरीवाल और को बदनाम करने के लिए झूठ की

माननीय सुप्रीम कोर्ट से मिली रिहाई के लिए आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं और लोकतंत्र संविधान पर विश्वास रखने वालो को बधाई। तानाशाह को झुकाने वाले व्यक्ति हैं अरविंद केजरीवाल,हम पहले दिन से ही कह रहे हैं कि यह पूरा मामला झूठ की बुनियाद पर खड़ा है और इसे बनाने के पीछे केंद्र की मोदी बुनियाद खड़ी की आज केजरीवाल जी की रिहाई ने मोदी और जांच एजेंसियों के झूठ का पर्दाफाश कर दिया है। कोर्ट ने आज कहा है कि मोदी सरकार के तोते हैं। आज अरविंद केजरीवाल जी ने अपनी ईमानदारी और सत्य की ताकत की बदौलत तानाशाह को झुका दिया है।

महापर्व सदस्यता अभियान पदाधिकारी कार्यकर्ता निभाएं अपना दायित्व:भोला सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र जिला कार्यालय पर संगठन पर्व (सदस्यता अभियान) के अंतर्गत बैठक सम्पन्न हुयी बैठक मे बतौर मुख्यअतिथि राष्ट्रीय महामंत्री अनुसूचित मोर्चा/सांसद लोकसभा बुलंदशहर भोला सिंह मौजूद रहे। बैठक का शुभारंम्भ मुख्यअतिथि भोला

सिंह व भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल, जिला प्रभारी अनिल सिंह, सदर विधायक भूपेश चौबे ने पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर किया। तत्पश्चात् घोरावल विधानसभा के राबट्र्सगंज ब्लॉक अंतर्गत अमौली ग्राम पंचायत मे प्रधान संघ के अध्यक्ष सुरेश शुक्ला के नेतृत्व में ग्रामसभा के सैकड़ों लोगो को मुख्यअतिथि भोला सिंह ने भारतीय जनता पार्टी कि सदस्यता ग्रहण कराया। बैठक कि अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल व संचालन जिला सदस्यता प्रमुख अशोक कुमार मौर्य ने किया। बैठक मे बतौर मुख्यअतिथि सांसद भोला सिंह ने कहा कि भाजपा ने सबसे पहले डिजिटल सदस्यता अभियान 2014-15 को विशेष सदस्यता अभियान चलाया था जिसके अंतर्गत उ0प्र0 में एक करोड़ 86 लाख लोग भाजपा के प्राथमिक सदस्य बने थे 2019 में यह संख्या 90 लाख और बढ़कर 2 करोड 76 लाख हो गयी थी। इस तरह 2015 से 2022 तक उत्तर प्रदेश में 3 करोड़ 3 लाख भाजपा के सदस्य बने प्रदेश में कुल एक करोड़ 12 लाख कार्यकर्ता सक्रिय सदस्य बन चुके हैं, जो भाजपा के प्रदेश एवं बूथ तक के पदाधिकारी भी शामिल है, 2024 भाजपा का संगठन पर्व वर्ष है, जिसके लिए सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है ऑनलाइन सदस्यता के लिए इस बार सभी को 8800002024 पर मिस्ड कॉल देना है, जिसके मैसेज द्वारा आपको सदस्यता ग्रहण करनी है। जिसमें कार्ड बनकर आपके मोबाइल पर उपलब्ध हो जाएगा अभियान का शुभारंभ राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मिस्ड कॉल देकर सदस्यता ग्रहण कराई थी। इसके पश्चात 3 सितंबर को प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ को मिस्ड कॉल कराकर सदस्यता ग्रहण कराई। सदस्यता का प्रथम चरण 2 सितंबर से 25 सितंबर तक होगा जिसमे हम सभी को प्राथमिक सदस्य बनाना है, दूसरे चरण को 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलना है जिसमें हम सभी कार्यकर्ताओं को सक्रिय सदस्य बनाना है। संगठन का लक्ष्य प्रत्येक बूथ पर 200 सदस्य बनाने का है जिसके निमित्त कई पदाधिकारीयों को इसको गति देने के लिए संयोजक एवं सह संयोजक बनाया गया है। इस मौके पर जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि भाजपा की सदस्यता के लिए चल रहे अभियान में 11 सितंबर से 17 सितंबर तक घर-घर संपर्क करके सदस्यता करना है। 11 सितंबर से प्रदेश पदाधिकारी जनप्रतिनिधि सांसद, विधायक, एमएलसी, मेयर, जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य ,बीडीसी सदस्य, नगर पालिका अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष को घर घर जाकर सदस्यता करनी है। जिसमे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर से 25 सितंबर तक सेवा पखवाड़ा चलेगा। भाजपा की विशिष्ट सदस्यता अभियान में प्रमुख बाजारों, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, कचहरी ,कॉलेज में कैंप लगाकर सभी सामाजिक संगठन, सभी सामाजिक वर्ग, युवा ,महिला उदयमी, किसान, अधिवक्ता, रिटायर्ड अधिकारी, कर्मचारी के पास जाकर कार्यकर्ता सदस्य बनायेंगे। द्वितीय चरण 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर के बीच समाज के सभी विभिन्न वर्गों, जातियों, समूह को भाजपा से जोड़ने के लिए 'समूह विशिष्ट संपर्क को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने आये हुये अतिथियों व कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। और कहा कि इस बार जिले मे लगभग 3.50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। और हम सभी कार्यकर्ताओं को हर बूथ पर लगभग 200 नये सदस्य बनाने कि योजना पूरी करनी है, तभी यह लक्ष्य पूरा होगा। इस मौके पर सदर विधायक भूपेश चौबे, नरेन्द्र कुशवाहा, अजीत रावत, देवेन्द्र पटेल,चेयरमैन रुबी प्रसाद, जीत सिंह खरवार, श्रवण सिंह गोंड, रामसुन्दर निषाद, कमलेश चौबे, अनूप तिवारी, बृजेश श्रीवास्तव, संतोष शुक्ला, शंम्भू नारायण सिंह, रंजना सिंह, सुरेश शुक्ला, विनय श्रीवास्तव, अनिल सिंह, सुषमा सिंह गोंड, यादवेन्द्र द्विवेदी, मीनू चौबे,पुष्पा सिंह, सरजू बैसवार, अमरेश चेरो, बलराम सोनी, राघो सिंह, राजबहादुर सिंह सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

देश/विदेश

मेरा देश भारत

संक्षिप्त समाचार

संदीप की साली के घर से मिलीं मेडिकल परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाएं, वित्तीय लेन-देन की जांच में जुटी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ईडी जांच के सिलसिले में शुक्रवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारी शुक्रवार फिर कॉलेज पहुंचे। सीबीआई के अधिकारी अस्पताल के प्रेटिनम जुबली बिल्डिंग में गए और अन्य जगहों का भी निरीक्षण किया।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज भ्रष्टाचार मामले में छापेमारी के दौरान ईडी ने परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं की प्रतियां प्राप्त की हैं। ये उत्तरपुस्तिकाएं संदीप घोष की साली के फ्लैट से मिली हैं। ईडी अब यह जांच कर रही है कि क्या इन उत्तरपुस्तिकाओं की प्रतियों के माध्यम से कोई वित्तीय लेन-देन हुआ था। साथ ही सूत्रों ने दावा किया है कि इसके अतिरिक्त, ईडी ने बड़ी मात्रा में टेंडर की प्रतियां, दस्तावेज और संपत्ति के कागजात भी बरामद किए हैं।

विद्ययुत लाइन ठीक करने पोल पर चढ़ा संविदाकर्मी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। संविदाकर्मी की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों ने विद्युतकमिर्यों की लापरवाही से संविदाकर्मी की जान जाने का आरोप लगाया है। आगरा के थाना जगदीशपुरा क्षेत्र के गांव सदरवन में शुक्रवार सुबह विद्युत लाइन ठीक करने पोल पर चढ़ा संविदाकर्मी तेज धमाका होने से नीचे गिर गया। गांव के लोग उसे अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया थाना किरावली के गांव जिंदपुरा निवासी प्रवीन (40) बिचपुरी फीडर पर काफी समय से संविदा पर कार्य कर रहा था। शुक्रवार सुबह 10 बजे वह बिचपुरी फीडर पर शटडाउन लेकर सदरवन गांव में सरकारी स्कूल के पास लाइन ठीक करने गया था। वह विद्युत पोल पर चढ़कर लाइन ठीक कर रहा था, तभी अचानक तारों में करंट दौड़ गया। इससे प्रवीन तेज धमाके के साथ झुलस कर नीचे गिर गया। मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान गौरव पाठक एवं अन्य लोग उसे अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर मृतक के परिजनों बिचपुरी फीडर पर पहुंच गए और हंगामा करने लगे। चौकी इंचार्ज बिचपुरी ने बताया है ।

वंचितों को मिला जब 'बावा' का स्नेहिल स्पर्श; झूम उठा बचपन, खिल उठे चहरे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।बावा' पूर्वी कमान ने कोलकाता के हेस्टिंग्स आश्रय में कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया। तपती गर्मी में जब वंचितों बच्चों के सिर पर ममतामयी सनेहिल स्पर्श मिला। ममता की सनेहिल छांव में वंचितों का बचपन झूम उठा और चेहरे खुशी के मारे खिल उठे। इसलिए भी शायद कहा जाता है, 'नर सेवा ही, नारायण सेवा है'।बचपन को अगर एक शब्द में परिभाषित करना हो तो कह सकते हैं, बचपन यानी मौज-मस्ती। इसके सिवाय और कुछ नहीं। बच्चे तो बच्चे होते हैं...बच्चों की न कोई जात होती है न ही कोई धर्म। वे तो स्वच्छंद, खिलंदड़ होते हैं। मस्त मौला...खूब खेलना और खुद मस्ती करना। लेकिन लाख टके का सवाल यह है कि क्या सभी बच्चों की बचपन ऐसे गुजरती है। उत्तर मिलेगा शायद नहीं। इसलिए ऐसे वंचित बच्चों के जीवन में थोड़ी मस्ती, थोड़ी खुशी और शिक्षा की रोशनी को जगाने का बीड़ा उठाया है, 'बावा' यानी बीएसएफ वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन ने। इसी क्रम में शुक्रवार को 'बावा' पूर्वी कमान ने कोलकाता के हेस्टिंग्स आश्रय में कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया। तपती गर्मी में जब वंचितों बच्चों के सिर पर ममतामयी सनेहिल स्पर्श मिला। ममता की सनेहिल छांव में वंचितों का बचपन झूम उठा और चेहरे खुशी के मारे खिल उठे। इसलिए भी शायद कहा जाता है, 'नर सेवा ही, नारायण सेवा है'। बीएसएफ के पूर्वी कमान के प्रवक्ता संजय गुप्ता ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि बीएसएफ वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (बावा) द्वारा वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कल्याणकारी गतिविधियों के अपने संकल्प को ध्यान में रखते हुए, कोलकाता के हास्टिंग्स शेल्टर एरिया में एक समुदाय कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व बावा पूर्वी कमान की प्रमुख डॉ. प्रेमा गांधी ने किया। इसका उद्देश्य है आश्रय गृह के निवासियों को आवश्यक वस्तुएं प्रदान कर उनकी सहायता करना। इस दौरान बावा के सदस्यों ने आश्रय गृह के निवासियों को पका हुआ गर्म भोजन, कपड़े, राशन और स्टेशनरी इत्यादि का वितरण किया, ताकि उनकी तत्कालिक ज़रूरतें पूरी की जा सके। डॉ. प्रेमा गांधी, जो वंचितों के लिए कल्याणकारी गतिविधियों में हमेशा अग्रणी रही हैं, ने अन्य बीएसएफ बावा सदस्यों के साथ मिलकर ज़रूरतमंद लोगों को सामान वितरित किया। गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम का एक मुख्य पहलू शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना था। डॉ. प्रेमा गांधी और बावा के सदस्यों ने व्यक्तिगत रूप से माता-पिता और बच्चों से संपर्क किया और उन्हें अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रेरित किया कि कैसे शिक्षा गरीबी के चक्र को तोड़ने और परिवारों के सामाजिक उत्थान में योगदान देने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाती है। बावा के इस प्रयास की स्थानीय लोगों ने काफी सराहना की। बावा पूर्वी कमान न केवल ज़रूरतमंद लोगों की ज़रूरतों को पूरा कर रही है, बल्कि सामाजिक बदलाव भी ला रही है। आश्रय गृह को साफ-सफाई रखने के लिए भी प्रेरित किया। इसके अलावा, बच्चों को शिक्षित करने और आश्रय गृह को आज की जरूरतों के हिसाब से विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। साथ ही आश्रय गृह के बच्चो को जिप्सी की सवारी भी कराई गई जिसका उन्होंने आनंद लिया। बीएसएफ बावा पूर्वी कमान की इस मानवीय और दयालु पहल ने वंचित बच्चों और उनके परिवारों के जीवन में आशा की किरण जगाई है और सकारात्मक बदलाव लाए हैं। आश्रय गृह के सदस्यों ने बावा के प्रयासों की सराहना की।

बांग्लादेशी हिंदुओं पर पूछा सवाल तो राहुल की टीम ने पत्रकार का फोन छीन यूएस दौरे पर हुई घटना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पत्रकार रोहित ने लिखा, राहुल के डलास दौरे के वक्त एक साक्षात्कार के लिए मैंने ओवरसीज कांग्रेस प्रमुख सैम पित्रोदा से वक्त मांगा। मैं सैम के साथ पहले भी साक्षात्कार कर चुका था। मेरा अनुमान था कि इसमें कोई मुश्किल नहीं होगी। अमेरिका स्थित भारतीय मूल के एक पत्रकार ने आरोप लगाया है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की हालिया यात्रा के दौरान सैम पित्रोदा से बांग्लादेश के हिंदुओं के बारे में सवाल पूछने पर राहुल के समर्थकों ने उनके साथ बदसुलूकी की और फोन छीन कर इंटरव्यू को डिलीट कर दिया। वाशिंगटन डीसी में रह रहे पत्रकार रोहित शर्मा ने इंडिया टुडे के लिए लिखे आलेख में घटना की जानकारी साझा की। रोहित ने लिखा, राहुल के डलास दौरे के वक्त एक साक्षात्कार के लिए मैंने ओवरसीज कांग्रेस प्रमुख सैम पित्रोदा से वक्त मांगा। मैं सैम के साथ पहले भी साक्षात्कार कर चुका था। मेरा अनुमान था कि इसमें कोई मुश्किल नहीं होगी। सैम ने राहुल गांधी के पहुंचने से पहले मुझे अपने विला पर बुलाया जहां पहले से करीब 30 लोग मौजूद थे। मैंने सैम के साथ साक्षात्कार शुरू किया। शुरुआती चार सवालों के जवाब सैम ने सहजता से दिए। इसके बाद मैंने पूछा कि क्या राहुल अमेरिकी सांसदों के सामने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाएंगे। सैम इस सवाल का जवाब दे ही रहे थे कि वहां मौजूद लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। रोहित के अनुसार राहुल के इन समर्थकों ने सवाल को विवादित बताते हुए वीडियो डिलीट करने की मांग की। उन्हें कई घंटे बंधक बना कर रखा गया। बाद में उनका फोन छीन लिया और खुद इसे डिलीट करने का प्रयास किया। फोन के फेस रिकॉग्निन्शन से खुलने के कारण लोगों ने रोहित को पकड़कर जबरन उनके चेहरे के सामने फोन रखकर उसे अनलॉक किया और साक्षात्कार वाला वीडियो डिलीट कर दिया। इस दौरान सैम पित्रोदा चुपके से राहुल को रिसीव करने एयरपोर्ट चले गए।

जल्द दो करोड़ घरों के आवंटन का शुभारंभ करेंगे पीएम, इन राज्यों में लाभार्थियों को सौंपेंगे स्वीकृति पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत झारखंड के लगभग 20 हजार लाभार्थियों को जमशेदपुर से स्वीकृति पत्रों का वितरण करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 से 17 सितंबर के मध्य दो करोड़ नए घरों के आवंटन का शुभारंभ करेंगे। इसके लिए वह 15 सितंबर को झारखंड 16 को गुजरात और 17 सितंबर को भुवनेश्वर में योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र सौंपेंगे और खातों में राशि हस्तांतरित करेंगे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत झारखंड के लगभग 20 हजार लाभार्थियों को जमशेदपुर से स्वीकृति पत्रों का वितरण करेंगे। उन्होंने कहा कि वैसे झारखंड में 1 लाख 13 हजार से ज्यादा मकान बनने थे, लेकिन अभी तक वहां की सरकार इतनी ही औपचारिकता पूरी कर सकी। राज्य ने बेहद धीमी गति से काम किया है। इसके लिए 187 करोड़ 79 लाख रुपये की राशि झारखंड को जारी की जा चुकी है। 16 सितंबर, को प्रधानमंत्री गुजरात जाएंगे। गुजरात में इस वित्तीय वर्ष में 54 हजार 135 आवास का लक्ष्य दिया गया और 99 करोड़ 1 लाख रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। 35 हजार पूरे हो चुके मकानों में गृह प्रवेश का कार्यक्रम भी होगा। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री ओडिशा के भुवनेश्वर में राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में आचार संहिता वाले राज्यों को छोड़कर देशभर के 10 लाख लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र का वितरण करेंगे।

गांवों की तुलना में शहरों में 60 फीसदी ज्यादा बारिश; तापमान-ऊंची इमारतें सहित आबादी भी है जिम्मेदार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शोधकर्ताओं ने पाया कि बारिश की विसंगतियों का बढ़ती आबादी के साथ बड़ा संबंध है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बड़ी आबादी आमतौर पर अधिक सघन और ऊंचे शहरी इलाकों का निर्माण करती है, साथ ही अधिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन करती है इसलिए गर्मी बढ़ जाती है। गांवों की तुलना में शहरों में 60 फीसदी अधिक बारिश हो रही है। ये औसतन पांच इंच से अधिक है। इतना ही नहीं कई बार सबसे घनी आबादी वाले शहरी इलाकों में अचानक बाढ़ तक आ जाती है। शोधकर्ताओं ने इसके पीछे शहरी क्षेत्रों का तेजी से बढ़ता तापमान, ऊंची इमारतें और अधिक आबादी को जिम्मेदार ठहराया है। प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में बताया गया कि भारी बारिश के कारण शहरी विकास प्रभावित होता है। ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने उपग्रहों और रडार प्रणालियों से बारिश के आंकड़ों का गहन अध्ययन किया और 2001 से 2020 तक इन 1,056 शहरों के लिए रोजमर्रा के बारिश की विसंगतियों का पता लगाया। परीक्षण के बाद पता चला कि दुनिया भर के शहरों में आस-पास के ग्रामीण इलाकों की तुलना में 60 फीसदी से अधिक बारिश होती है। फिर विभिनन जलवायु क्षेत्रों के साथ इसकी तुलना की गई। तब पता चला कि यदि स्थानीय जलवायु अधिक गर्म है, अधिक नमी भरी है तो ठंडे और शुष्क स्थानों के शहरों की तुलना में यहां अधिक बारिश होती है। अध्ययन के अनुसार ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से ज्यादातर शहरों में उनके ग्रामीण पड़ोसियों की तुलना में अधिक बारिश होती है। इसका एक मुख्य कारण ऊंची इमारतों की मौजूदगी है जो हवा की रफ्तार को रोकती है या धीमा कर देते हैं। इससे शहर के केंद्र में ही हवा घूमती रहती है। इमारतें हवाओं को धीमा करके इसके बहने को और कम कर देते हैं, जिसके कारण हवा की ऊपर की ओर ज्यादा रफ्तार होती है। ऊपर की ओर तेजी से बहने वाली हवा की वजह से जल वाष्प के संघनन और बादल निर्माण में बढ़ोतरी होती है जो बारिश के लिए महत्वपूर्ण स्थितियां हैं।

स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता मिशन 17 सितंबर से होगा शुरू, सभी राज्यों में दो अक्तूबर तक चलेगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित सुषमा स्वराज भवन में इस अभियान की घोषणा की। अभियान में सभी केंद्रीय व राज्य के मंत्रालय भाग लेंगे। स्वच्छ भारत मिशन के तहत इस वर्ष सरकार का लक्ष्य स्वच्छता को सेवा से आगे बढ़ाकर स्वभाव व संस्कार तक पहुंचाना है। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने 'स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता (4एस)' अभियान की घोषणा करते हुए यह संकल्प दोहराया। 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत करीब दो लाख बेहद गंदे स्थानों को समयबद्ध तरीके से साफ किया जाएगा।केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित सुषमा स्वराज भवन में इस अभियान की घोषणा की। इसमें श्रमदान व जन भागीदारी के माध्यम से पर्यटक स्थलों, सार्वजनिक भवनों, वाणिज्यिक क्षेत्रों, सामुदायिक शौचालयों, सार्वजनिक शौचालयों, जलाशयों, चिड़ियाघरों, अभयारण्यों जैसे विभिन्न स्थलों पर बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया जाएगा। अभियान में सभी केंद्रीय व राज्य के मंत्रालय भाग लेंगे।93 फीसदी से अधिक महिलाओं को मिली शौचालय की सुविधा केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा, देश में 93 प्रतिशत से अधिक महिलाओं के पास शौचालय की सुविधा है। इस मिशन ने पहले पांच वर्षों के दौरान शिशु मृत्यु दर में लगभग तीन लाख की कमी की है। स्वच्छ भारत मिशन, एक जन आंदोलन बन गया है। स्वच्छता की भागीदारी- स्वच्छ भारत के लिए जन भागीदारी, जागरूकता और वकालत। है संपूर्ण स्वच्छता- स्वच्छता लक्ष्य इकाइयां को लक्षित करके बेहद गंदी जगहों पर होगी महा सफाई। सफाई मित्र सुरक्षा शिविर- सफाई कर्मचारियों के कल्याण और स्वास्थ्य के लिए एकल-खिड़की सेवा, सुरक्षा और मान्यता शिविर लगेंगे। इस अभियान में संपूर्ण समाज के साथ साथ सरकार को शामिल किया जाएगा। 'संपूर्ण समाज' के तहत नागरिकों, उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों, शहरी स्थानीय निकायों, पंचायतों को सक्रिय रूप से शामिल किया जाएगा। वहीं 'संपूर्ण सरकार' वाले दृष्टिकोण से, सभी राज्य, केंद्र शासित प्रदेश, सीएम, केंद्रीय मंत्रालय स्वच्छता के लिए भाग लेंगे। मनोहर लाल ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में लगभग 2,300 डंपसाइट हैं, जिनमें 22 करोड़ मीट्रिक टन कचरा है। इनमें से 9 करोड़ मीट्रिक टन कचरे वाले 427 करोड़ डंपसाइटों को पूरी तरह से सुधारा जा चुका है। 4,500 एकड़ भूमि को पुनः प्राप्त किया गया है। उन्होंने कहा कि मिशन का उद्देश्य डोर-टू-डोर संग्रह से 100 फीसदी प्रसंस्करण में बदलाव करना है।

इस्त्राइल-ईरान के बीच तनाव नया नहीं', राजदूत इलाही ने भारतीयों को अपने देश आने के लिए आमंत्रित किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिल्ली में ईरान टूरिज्म रोड शो के मौके पर एक साक्षात्कार में ईरानी दूत इलाही ने भारत और ईरान के विभिन्न शहरों के बीच सीधी उड़ाने स्थापित करने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, वर्तमान में तेहरान और दिल्ली के बीच दो सीधी उड़ानें हैं और एक ईरानी राजधानी और मुंबई के बीच है।पश्चिम एशिया में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। इस बीच भारत में ईरान के राजदूत इराज इलाही ने शुक्रवार को कहा कि उनके देश और इस्राइल के बीच तनाव नया नहीं है। इस दौरान उन्होंने भारतीय पर्यटकों को आश्वासन दिया कि यात्रा करने के लिए ईरान सुरक्षित है। दिल्ली में ईरान टूरिज्म रोड शो के मौके पर एक साक्षात्कार में ईरानी दूत इलाही ने भारत और ईरान के विभिन्न शहरों के बीच सीधी उड़ाने स्थापित करने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, वर्तमान में तेहरान और दिल्ली के बीच दो सीधी उड़ानें हैं और एक ईरानी राजधानी और मुंबई के बीच है। इस दौरान ईरानी राजदूत से सवाल किया गया कि क्या ईरान-इस्राइल शत्रुता और पश्चिम एशिया में मौजूद तनावपूर्व स्थिति ने पर्यटकों के आवागमन पर असर डाला। इसके जवाब में इलाही ने कहा, स्थिति नहीं बदली है, लेकिन भारतीयों और अन्य पर्यटकों को ईरान में यात्रा के लिए सुरक्षा संबंधी कोई समस्या नहीं है। दूत ने कहा, 'ईरान और इस्राइल के बीच तनाव नया नहीं है, लंबे समय से तनाव है। इसलिए, यह कोई नई बात नहीं है जो ईरान की स्थिति को प्रभावित करेगी मैं भारतीय पर्यटकों, भारतीय मित्रों को आश्वासन देता हूं और उन्हें ईरान आने के लिए आमंत्रित करता हूं।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान ने एक राष्ट्र के रूप में अपनी यात्रा में लगाए गए युद्धों और प्रतिबंधों को पार कर लिया है। बदलती वैश्विक गतिशीलता के बीच भारत-ईरान संबंधों की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर, दूत ने कहा, 'भारत के साथ द्विपक्षीय संबंध न केवल अच्छे हैं, बल्कि शानदार भी हैं।' ईरानी दूत ने कहा, 'ईरान के सवोच्च नेता भारत का सम्मान करते हैं और ईरान के राजदूत के रूप में मैं भी पीएम मोदी और भारत सरकार के सम्मान को पूरी तरह महसूस करता हूं।' उन्होंने कहा, ईरान और भारत के बीच लंबे समय से संबंध हैं। हमारे संबंधों का एक पहलू लोगों से लोगों के बीच संबंध और बातचीत का है। दुर्भाग्य से, कोविड ने इस रिश्ते को प्रभावित किया। हमने दोनों के बीच अच्छे पर्यटन सहयोग को फिर से सक्रिय करने और पुनर्जीवित करने के लिए इस रोड शो का आयोजन किया है। दूत ने कहा, 'हमारा मानना है कि भारत को वर्तमान ईरान और ईरान के विकास के बारे में और अधिक जानने की जरूरत है, साथ ही ईरानियों को भी भारत और भारत के विकास और सहयोग की क्षमताओं के बारे में और अधिक जानने की जरूरत है।

बेटी की शादी की शॉपिंग कर लौट रही थी मांसड़क हादसे में चली गई जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर।मिर्जापुर जिले में सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हो गए। महिला अपनी बेटी की शादी के लिए सामान लेने के लिए गई थी। इस दौरान कार से वापस लौट रही थी। मिर्जापुर जिले के मडिहान थाना क्षेत्र के तहसील के सामने ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। कार सवार मां-पुत्री समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी मडिहान ले जाया गया। वहां से मां और पुत्री को ट्रॉमा सेंटर मिर्जापुर रेफर कर दिया गया, जहां महिला की मौत हो गई। पुत्री की हालत गंभीर होने पर उसे ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया।मडिहान थाना क्षेत्र के काशोपुर लालपुर नवडीहा गांव निवासी अंजना सिंह की पुत्री आकांक्षा की शादी दो दिसंबर को होनी है। अंजना अपने पुत्र और पुत्री के साथ सामान की खरीदारी करने के लिए अपनी बहन के घर रामनगर गई थीं। वाराणसी में सामान की खरीदारी करने के बाद बहन के घर से कार पर सवार होकर घर वापस लौट रही थीं।

बुर्का बांटती दिखीं शिवसेना एमएलए फोटो वायरल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में गुरुवार को शिवसेना विधायक यामिनी जाधव की तरफ से मुस्लिम महिलाओं को बुर्का बांटने का वीडियो वायरल हो रहा है। इस मामले में यामिनी जाधव बुर्का बांटती नजर आ रही हैं, जबकि दूसरे वीडियो में वह यह कहते हुए सुनाई दे रही हैं कि यह वितरण आगामी राज्य चुनावों को ध्यान में रखकर नहीं किया जा रहा है। वहीं यामिनी जाधव ने वीडियो

भाजपा की तरफ से प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे तुष्टीकरण की राजनीति को स्वीकार नहीं करती है। मुंबई में शिवसेना विधायक यामिनी जाधव की तरफ से मुस्लिम महिलाओं को बुर्का बांटने का एक वीडियो गुरुवार को वायरल हुआ। सत्तारूढ़ सहयोगी भाजपा ने कहा कि यह उनका विशेषाधिकार है, लेकिन वह इस तरह की तुष्टीकरण की राजनीति को स्वीकार नहीं करती। बता दें कि यामिनी जाधव बायकुला निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं, जहां मुस्लिम आबादी काफी है। एक वीडियो में कहा, अगर विपक्ष को लगता है कि बुर्का, हिजाब बांटना यामिनी जाधव या यशवंत जाधव (उनके पति और शिवसेना नेता) की तरफ से मुसलमानों का विश्वास जीतने के लिए किया जा रहा है, तो यह कोई राजनीतिक 'जुमला' नहीं है। मामले में भाजपा मुंबई अध्यक्ष आशीष शेलार ने कहा कि उनकी पार्टी ऐसे कार्यक्रमों के पक्ष में नहीं है। आशीष शेलार ने कहा, स्थानीय विधायक का विशेषाधिकार है कि वह जो चाहे बांटे, लेकिन भाजपा बुर्का बांटने जैसी तुष्टीकरण की राजनीति को मंजूरी नहीं देती।

हम स्टारलाइनर से वापस आ सकते थे धरती पर वापस न लौटने पर छलका सुनीता विलियम्स का दर्द

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शुक्रवार को सुनीता विलियम्स ने कहा कि 'मुझे लगता है कि हम स्टारलाइनर से वापस लौट सकते थे, लेकिन अंतरिक्षयान की तकनीकी खामी को दूर करने के लिए हमारे पास समय नहीं था।' भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स का अंतरिक्ष में फंसे होने का दर्द छलका है और उन्होंने कहा है कि बोइंग का स्टारलाइनर अंतरिक्षयान उन्हें वापस धरती पर ला सकता था। गौरतलब है कि स्टारलाइनर बीते हफ्ते ही धरती पर वापस लौटा है। सुनीता विलियम्स ने कहा है कि अगर और समय होता तो वो लोग भी स्टारलाइनर से वापस धरती पर लौट सकते थे। अभी सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर अगले साल फरवरी में धरती पर लौट सकते हैं। बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्षयान ने अपने पहले क्रू मिशन पर बीती 5 जून को अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी थी। इस यान से सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरी थी। दोनों को मिशन पूरा कर आठ दिन बाद ही धरती पर लौटना था, लेकिन स्टारलाइनर अंतरिक्षयान में तकनीकी गड़बड़ी के चलते दोनों अंतरिक्षयात्रियों का स्टारलाइनर से वापस आना टाल दिया गया। जिसके चलते अब कई महीनों के लिए दोनों अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष स्टेशन पर फंस गए हैं। अब शुक्रवार को सुनीता विलियम्स ने कहा कि 'मुझे लगता है कि हम स्टारलाइनर से वापस लौट सकते थे, लेकिन अंतरिक्षयान की तकनीकी खामी को दूर करने के लिए हमारे पास समय नहीं था।

बॉलीवुड/टेली मसाला

मुंबई टूर में करण औजला के साथ शामिल होंगे विक्की कौशल एक परफॉर्मेंस के लिए ली भारी भरकम फीस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'बैड न्यूज' हाल ही में रिलीज हुई बॉलीवुड कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें एनिमल फेम तृप्ति डिमरी, विक्की कौशल और एमी विर्क मुख्य भूमिकाओं में हैं। आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित यह फिल्म फिर से सुखियां बटोर रही है। यह फिल्म 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसके बाद अब यह फिल्म ओटीटी पर धमाल मचा रही है। फिल्म का गाना 'तौबा-तौबा' अभी भी दर्शकों जुबां पर चढ़ा हुआ है। अब खबर आ रही है कि आने वाले दिनों में विक्की और सिंगर करण औजला की जोड़ी एक बार फिर धमाल मचाने वाली ह विक्की कौशल और करण औजला की जोड़ी ने 'बैड न्यूज' के लिए तौबा तौबा गाने पर काम किया था, जिसने लोगों को काफी आकर्षित किया। अब यह उत्साह जारी रहने वाला है, क्योंकि हाल ही में आई रिपोर्ट्स बताती हैं कि विक्की कौशल कथित तौर पर अपने 'इट वाज ऑल ए ड्रीम' के मुंबई टूर के दौरान करण औजला के साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं। मुंबई शो 21 दिसंबर, 2024 को होगा। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार मुंबई टूर फैंस के लिए एक अलग कार्यक्रम बन रहा है, जिसमें विक्की कौशल की सरप्राइज उपस्थिति के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि अभी तक इस खबर की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन प्रशंसक इस अनोखी जोड़ी को देखने के मौके का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। विक्की कौशल और करण औजला की जोड़ी ने तब हलचल मचा दी थी जब गायक ने कौशल की फिल्म 'बैड न्यूज' के लिए ट्रैक तौबा तौबा रिलीज किया था। बता दें कि कनाडा और यूनाइटेड किंगडम में पहले से ही शो की सारी टिकटें बिक चुकी हैं, यह टूर एक शानदार कार्यक्रम होने वाला है, जिसका भव्य समापन मुंबई में होने वाला है। मालूम हो कि यह टूर चंडीगढ़, बेंगलुरु, दिल्ली एनसीआर और मुंबई में 7 से 21 दिसंबर, 2024 तक आयोजित किया जाएगा। रिपोट्र्स बताती हैं कि औजला को भारत में अपने पहले टूर के लिए 2 मिलियन अमरीकी डॉलर (लगभग 16.79 करोड़ रुपये) का भुगतान किया गया है।

विक्रम ने कहा- मशहूर होने के बाद दोस्त बनाना मुश्किल, पावरफुल स्टार के तौर पर छाप छोड़ना लगता है अच्छा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दक्षिण भारतीय अभिनेता विक्रम की नई फिल्म 'तंगलान' सिनेमाघरों में लगी हुई है। इसे 15 अगस्त को रिलीज किया गया था। फिल्म का निर्देशन पा रंजीत ने किया है। विक्रम ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में बताया कि उन्हें एक दमदार स्टार के तौर पर छाप छोड़ना अच्छा लगता है। इसके लिए वो अपने साथ एक दल को लेकर चलते हैं इस बात को हर सिनेमाप्रेमी जानता है कि फिल्म इंडस्ट्री में रजनीकांत एक बहुत बड़ा नाम है, लेकिन विक्रम उनसे कुछ मामलों में आगे हैं। रजनीकांत के पास एक समय, जब एक बॉडीगार्ड ही होता था तो विक्रम के पास पांच लोग होते थे। इतना ही नहीं उन्होंने रजनीकांत से पहले ही वैनिटी वैन की मांग रख दी थी। विक्रम ने रणवीर इलाहाबादिया को दिए साक्षात्कार में अपने से जुड़ी ये दिलचस्प बातें साझा हुए कहा कि वो इस स्टार वाले तामझाम का आनंद लेते हैं। उन्हें एक कारवां के साथ चलना पसंद हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मशहूर होने के बाद दोस्त बनाना लगभग मुश्किल हो जाता है। वो अपनी प्रोफेशनल जिंदगी को निजी जिंदगी से अलग रखकर चलते हैं। अक्सर फिल्मी सितारों को उनके फैंस की भीड़ रास्ते में घेर लेती है। आए दिन इस तरह के वीडियो सामने आते रहते हैं। इस मामले पर विक्रम का कहना है कि उन्होंने इतना मशहूर होने के लिए मेहनत की है और उन्हें लोगों द्वारा घेरे जाने से फर्क नहीं पड़ता है। 58 साल के विक्रम कॉलीवुड के मशहूर अभिनेता हैं। उनके पिता विनोद राज भी अभिनेता थे। विक्रम के अभिनय करियर की बात करें तो उन्होंने आई, महान, मीरा, ध्रुवम, माफिया, स्ट्रीट, हाउसफुल, सेतु, इंद्रियम,, रेड इंडियंस, किंग, धूल, जेमिनी, भीमा, डेविड, स्केच और कोबरा समेत कई फिल्मों में काम किया है। उनकी आने वाली फिल्म का नाम 'वीर धीरा सूरनः पार्ट 2' है।

'स्त्री 3' में एक ही शर्त पर दिखाई देंगे अक्षय कुमार हॉरर-कॉमेडी फिल्म को लेकर उत्साहित फैंस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'स्त्री 2' की अपार सफलता के बाद अब सभी की निगाहें हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म पर टिकी हुई हैं। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' लगातार बॉक्स ऑफिस पर कमाई कर कई इतिहास रच चुकी है। 'स्त्री 2' को इसकी पहली किस्त 'स्त्री' से भी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। फिल्म में इस बार 'सरकटे का आतंक' वाकई में बॉक्स ऑफिस पर जमकर आतंक फैला रहा है। 'स्त्री 2' को दर्शक बेहद पसंद कर रहे हैं और अब इसकी तीसरी किस्त के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं अक्षय कुमार के प्रशंसक यह जानने के लिए बेताब है कि क्या 'स्त्री 3' में अक्षय दिखाई देंगे, जिस पर अब फिल्म 'स्त्री' के निर्देशक अमर कौशिश ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और बताया है कि किस एक शर्त पर 'स्त्री 3' में अक्षय कुमार नजर आ सकते हैं। 'स्त्री 2' को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है, जिसे साफ तौर पर इसकी कमाई से मापा जा सकता है। रिलीज के 20 दिनों के भीतर ही फिल्म ने कई रिकॉर्ड तोड़ और अब 'स्त्री 2' 500 करोड़ के क्लब में शामिल हो चुकी है। फिल्म में राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी, पंकज त्रिपाठी, श्रद्धा कपूर और कई कलाकारों ने अपनी धमाकेदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया है। वहीं फिल्म में अक्षय कुमार और वरुण धवन ने कैमियो किया था, जो दर्शकों को बेहद पसंद आया। वहीं मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार अब 'स्त्री 3' में अक्षय नजर आएंगे या नहीं यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। एक इंटरव्यू के दौरान 'स्त्री' के निर्देशक अमर कौशिक ने अब इस बात पर अपनी चुप्पी तोड़ी है कि दर्शकों को 'स्त्री 3' के लिए कब तक इंतजार करना होगा क्योंतकि प्रशंसकों को 'स्त्री 2' के लिए काफी लंबा इंतजार करना पड़ा है। फिल्म 'स्त्री' 2018 में रिलीज हुई थी, और इसका दूसरा भाग देखने में छह साल लग गए। मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान 'स्त्री' के निर्देशक अमर कौशिक ने कहा, "हमें हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइजी के तीसरे भाग के लिए बहुत लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

तमन्ना ने राधा-कृष्ण फोटोशूट की तस्वीरें हटाई, रिवीलिंग आउटफिट के चलते हुई ट्रोल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अभिनेत्री तमनन भाटिया जहां एक तरफ 'स्त्री 2' के गाने 'आज की रात' के लिए सराहना 'लीलाः द डिवाइन इल्यूजन ऑफ लव' में दिखाई दीं, जिसमें भगवान कृष्ण और राधा के बीच प्रेम के विभिन्न चरणों को दिखाया गया था। जहां एक तरफ पहनने के लिए अभिनेत्री की आलोचना करते हुए देखा जा सकता है। जैसे ही ऑनलाइन बैकलैश और अभियान ने जोर पकड़ना शुरू किया, तमनन

प्राप्त कर रही हैं। वहीं, दूसरी ओर वह ट्रोलिंग का भी शिकार हुईं। नेटिजन्स ने जमकर उनकी आलोचना की है। दरअसल, अभिनेत्री ने एक मशहूर फैशन लेबल के लिए राधा-कृष्ण थीम पर फोटोशूट किया, जिसमें वह राधा बनी थीं। नेटिजन्स ने अभिनेत्री पर आरोप लगाया कि जिस उन्होंने राधा को गलत तरीके से पेश किया। हालांकि, आलोचनाओं के बाद अब तमनन ने उन तस्वीरों को हटा दिया है। यह सब तब शुरू हुआ जब तमनन फैशन डिजाइनर करण तोरानी के अभियान उनकी इन तस्वीरों ने कुछ लोगों को मंत्रमुग्ध किया, वहीं, सोशल मीडिया पर एक वर्ग ने उनके खिलाफ अभियान चलाते हुए आलोचना भी की। यूजर्स ने तमनन और डिजाइनरों की जमकर आलोचना की, जिसके बाद उन्हें वह तस्वीरें हटानी पड़ी। एक यूजर ने लिखा कि अपनी बिक्री के लिए हमारी प्यारी राधा रानी और श्री कृष्ण के सबसे शुद्ध रिश्ते को गलत तरीके से पेश करना बंद करो। वहीं, एक अन्य नेटिजन ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्हें स्क्रीन पर राधा का किरदार निभाने के लिए 'रिवीलिंग' आउटफिट और लेबल तोरानी दोनों ने अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल से फोटो और वीडियो हटा दिए। तमनन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में ब्लॉकबस्टर फिल्म, 'स्त्री 2' में उन्हें एक विशेष भूमिका निभाते हुए देखा गया था। फिल्म में, उन्होंने 'आज की रात' गाने में अभिनय किया और उनके डांस ने इंटरनेट पर सनसनी मचा दी। वहीं, वह जॉन अब्राहम की स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज हुई फिल्म 'वेदा' का भी हिस्सा थीं, जो बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई।

जरूरत से ज्यादा लंबी फिल्म में बेअसर रहा विजय का डबल रोल, हिंदी डबिंग की दिक्कतें सबसे ज्यादा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हिंदी भाषी दर्शकों के लिए तमिल सिनेमा उनके उतना करीब नहीं है, जितना कि बरसों तक ठेठ मसाला हिंदी फिल्मों से भी मसालेदार बातें भी हैं, जिनके एक एक कर सामने आते रहने से फिल्म इंटरवल तक रफ्तार से भागती रहती है।फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम' की असल कमजोरी इसका इंटरवल के है। 'बेटे को हाथ लगाने से पहले बाप से बात कर' जैसा करंट भी इसके संवादों में नहीं है। एक जैसे दिखते बाप-बेटों की इस कहानी में एक्शन और गाने निकाल दिए जाएं तो फिर

फिल्में बनाता रहा तेलुगु सिनेमा है। विजय जोसफ को 'दलपति' विजय के नाम से हिंदी भाषी दर्शक पहचानते हैं, ये जाने बिना कि दलपति सिर्फ एक विशेषण है, नाम नहीं। थलाइवा और थलाइवर का फर्क भी शायद ही हिंदी सिनेमा देखने वाले जानते हों या जानना भी चाहते हों। विजय का इरादा जल्द ही तमिलनाडु की सियासत में कूदने का है। पार्टी वह बना चुके हैं। अगली फिल्म के बाद सिनेमा से संन्यास का फैसला भी वह बता चुके हैं। बतौर अभिनेता विजय की इस आखिरी से ठीक पहले की फिल्म यानी 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' को लेकर दर्शकों मे बेचैनी होनी स्वाभाविक है। लेकिन, एक दिक्कत यहां भी है और वह ये कि ये फिल्म बड़े मल्टीप्लेक्स में हिंदी में रिलीज नहीं हो रही हैं। हिंदी फिल्में प्रदर्शित करने वाले मल्टीप्लेक्स चाहते हैं कि किसी भी अभिनेता की फिल्म के सिनेमाघरों में रिलीज होने और ओटीटी पर आने के बीच कम से कम आठ हफ्ते का समय होना चाहिए। ऐसा फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' के साथ नहीं हो रहा है। ओटीटी पर आने की ये जल्दी ही इस फिल्म में इसे बनाने वालों के दरके भरोसे की पहली निशानी है। कहानी फिल्म की कुछ कुछ वैसी ही है जैसी फिल्म 'टाइगर 3' में सलमान खान और उनके परिवार के साथ दर्शक देख चुके हैं। बस वहां टाइगर का बेटा बड़ा नहीं हुआ है। यहां भी रॉ की एक स्पेशल यूनिट सैट्स (स्पेशल एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड) का एक एजेंट गांधी आराम की जिंदगी जी रहा है। अतीत उसे वापस एक्शन में लाता है। और, इस यूनिवर्स की उसकी अपनी कुछ ऐसी बाद के हिस्से की पटकथा, इसमें ठूंसे गए अनावश्यक गाने और जरूरत से ज्यादा लंबी सड़कों पर पीछा करने वाले दृश्य (चेज सीक्वेंसेज) हैं। निर्देशक वेंकट प्रभु की ये फिल्म अभिनेता विजय की एटली के साथ बनते बनते बंद हो गई फिल्म के बाद शुरू हुई। दोनों की ट्यूनिंग पुरानी है और दोनों ने कहानी का मूल विचार लॉक करने के साथ ही तय कर लिया था कि ये फिल्म बनानी है। फिल्म बनानी है, इसके लिए वेंकट प्रभु ने एक कहानी लिखी। कुछ और लोगों को साथ जोड़कर इसकी पटकथा और संवाद पूरे किए। और, साथ में आए तमिल सिनेमा के चर्चित संगीतकार युवान शंकर राजा, सिनेमैटोग्राफर सिद्धार्थ नुनी और फिल्म संकलक वेंकन राजन। कोई तीन सौ करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने इतनी रकम रिलीज से पहले ही सैटेलाइट और ओटीटी राइट्स से जुटा ली है। सिनेमाघरों से जो कुछ आने वाला वह सब मुनाफा है। विजय को दलपति नाम जैसा जंचने वाला सुपर सितारा बनाने की फिल्म में कोशिशें तमाम हैं। लेकिन, फिल्म के बाकी कलाकारों में नेहा से लेकर मीनाक्षी और प्रभुदेवा से लेकर योगी बाबू तक सब यहां उनके आभामंडल में छिपते-चमकते नक्षत्रों से ज्यादा कुछ नहीं हैं निर्देशक वेंकट प्रभु से गलती फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' में ये हुई है कि फिल्म को भव्य बनाने के चक्कर में वह विश्वभ्रमण पर तो निकल गए लेकिन जो घटनाएं यहां विदेश में दिखाई जा रही हैं, उनका कोई खास असर फिल्म का आकर्षण बढ़ाने पर पड़ता नहीं है। कहानी उन्हीं की है और इसमें मौलिकता सिर से गायब फिल्म में कुछ बचता नहीं है। एक्शन सीन जरूरत से ज्यादा लंबे होने के चक्कर में च्युइंग गम बन चुके हैं और गाने जैसे ही आते हैं, कहानी का प्रवाह खत्म कर देते हैं। फिल्म करीब तीन घंटे की है और सुनते हैं कि ये तब है जब इसका करीब 20 मिनट का हिस्सा फिल्म में ओटीटी रिलीज के समय जोड़े जाने के लिए बचा लिया गया है। तृषा और शिव कार्तिकेयन के स्पेशल अपीयरेंस का कोई फायदा नहीं होता। फिल्म में एआई के जरिये सीनियर कलाकार विजयकांत को भी लाया गया है। फिल्म की हिंदी डबिंग का अंदाजा इसके ट्रेलर से ही लग गया था और इस निराशा को दूर करने के लिए फिल्म में भी खास कुछ किया नहीं गया है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अभिनेता विजय (जोसफ) को तमिल सिनेमा में बड़ा स्थान हासिल है। उनके प्रशंसक अक्सर उनकी लोकप्रियता की तुलना रजनीकांत से करते रहे हैं, लेकिन रजनीकांत की जो फैन फॉलोइंग गैर तमिलभाषी दर्शकों में है, वहां तक पहुंचने के लिए निकलने में विजय को शायद देर हो चुकी है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे विजय की हर फिल्म अब उनकी सियासी तैयारी के नजरिये से ही देखी जानी है और ऐसे में फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' में उनकी युवा भूमिका युवा दर्शकों को आकर्षित भी करती है, पर सीनियर एजेंट गांधी के किरदार में वह अपना उतना असर नहीं छोड़ पाते हैं। पटकथा, निर्देशन के बाद फिल्म की तीसरी सबसे कमजोर कड़ी है इसका संगीत, जिसका एक भी गाना फिल्म की गति को सहारा नहीं दे पाता है।

विजय और अमिताभ को पछाड़ सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले सितारे बने किंग खान, सूची में दिखा बड़ा फेरबदल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। फॉर्च्यून इंडिया ने सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले सितारों की सूची जारी की है। इसमें शाहरुख खान, दलपति विजय, अमिताभ करोड़ रुपये टैक्स भरते हुए इस सूची में तीसरे पायदान पर हैं। कथित तौर पर, अनुभवी अभिनेता अमिताभ बच्चन ने 71 करोड़ रुपये के टैक्स भुगतान के साथ चौथा स्थान हासिल

बच्चन और सलमान खान जैसे सितारों को पीछे छोड़ नंबर 1 पर आ गए हैं। शाहरुख खान बॉलीवुड के किंग हैं और इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता। ताजा रिपोर्ट की मानें तो सुपरस्टार वित्तीय वर्ष 2024 के लिए सबसे अधिक टैक्स भुगतान करने वाले सेलिब्रिटी के रूप में उभरे हैं। अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार और दलपति विजय को पीछे छोड़ते हुए वह 92 करोड़ रुपये के योगदान के साथ सूची में नंबर वन पायदान पर हैं। रिपोर्ट फॉर्च्यून इंडिया द्वारा प्रकाशित की गई है। शाहरुख खान के बाद सूची में दूसरा नाम साउथ सुपरस्टार दलपति विजय का है। 80 करोड़ रुपये के टैक्स भुगतान के साथ विजय इस सूची में नंबर दो पर काबिज हैं। वहीं, सलमान खान 75 किया। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में मेगास्टार की हालिया भूमिका ने उनकी कमाई को बढ़ा दिया है। सूची में मनोरंजन जगत के सितारों के साथ-साथ क्रिकेट जगत की हस्तियां भी शामिल हैं। क्रिकेटर विराट कोहली ने 66 करोड़ रुपये का योगदान देकर सूची में पांचवां स्थान हासिल किया। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन और रणबीर कपूर भी इस सूची का हिस्सा हैं, जिन्होंने 42 करोड़ रुपये और 36 करोड़ रुपये का कर भुगतान किया है। इस सूची में कॉमेडियन कपिल शर्मा और बॉलीवुड सितारे करीना कपूर, शाहिद कपूर और कैटरीना कैफ सहित कई अन्य हस्तियां भी शामिल हैं।

कार्तिक आर्यन ने सारा को सबके सामने लगाया गले अनन्या पांडे का रिएक्शन हुआ वायरल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे की सीरीज 'कॉल मी बे' के प्रीमियर पर कई सेलेब्स नजर आए, लेकिन सबकी निगाहें जाकर मी बे' प्रीमियर नाइट में कार्तिक और सारा को कई सालों के बाद एक साथ देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हुए। इस प्रीमियर पर सारा अपने भाई इब्राहिम अली खान

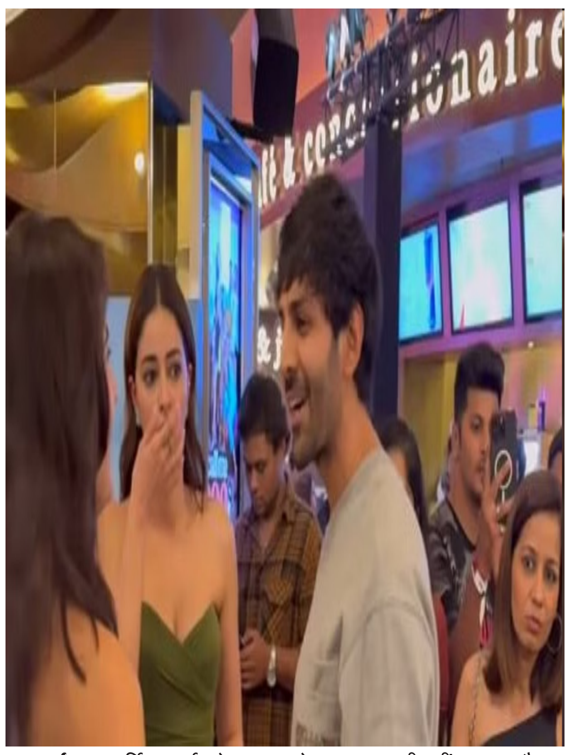

ठहर गईं जब कार्तिक आर्यन ने सारा अली खान को गले लगाया। इस दौरान सारा और कार्तिक को एक साथ यूं देखकर अनन्या का रिएक्शन अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। अनन्या पांडे इन दिनों सीरीज 'कॉल मी बे' में को लेकर जमकर सुखिर्यों में हैं। 'कॉल मी बे' की स्पेशल स्क्रीनिंग में सुहाना खान, अगस्त्य, करण जौहर, सैफ अली खान, सारा अली खान, कार्तिक आर्यन जैसे कई नामी स्टार्स शामिल हुए। स्क्रीनिंग के कई वीडियोज सोशल मीडिया पर अब जमकर वायरल हो रहे हैं, लेकिन इस सभी में एक वीडियो ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा, जिसमें सारा और कार्तिक एक-दूसरे को गले लगा रहे हैं और बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं। दोनों को एक साथ देखकर अब अनन्या का रिएक्शन सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।'कॉल के साथ आयी थीं। इस दौरान कार्तिक, सारा और इब्राहिम तीनों साथ में बात करते दिखे। तीनों की बॉन्डिग काफी स्ट्रांग दिखी। बात करते-करते सारा-कार्तिक ने एक-दूसरे को गले लगाया। अब इस वीडियो पर प्रशंसक लगातार अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।इस वीडियो में आप साफ देख सकते हैं कि कार्तिक आर्यन और सारा एक-दूसरे से बात करते और एक-दूसरे को गले लगाते दिखाई दे रहे हैं। अनन्या, कार्तिक के बगल में खड़ी हैं, जब कार्तिक से बात कर रहे हैं और बाद में जब वह उन्हें गले लगा रहे होते हैं। इस दौरान अनन्या का रिएक्शन देखने लायक था। प्रशंसक भी अनन्या के इस रिएक्शन पर अपनी राय लगातार सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट कर लिखा, 'अनन्या जेलस लग रही है।

सम्पादकीय

डिप्रेशन में जा रहे युवा अवनि लेखरा से प्रेरणा लें

जयपुर की अवनि लेखरा ने भारत के लिए लगातार दो पैरालंपिक में शूटिंग स्पर्धा में दो गोल्ड मैडल जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। खेल के साथ अवनि को रामचरितमानस से भी शक्ति मिली है। जयपुर की अवनि लेखरा ने भारत के लिए लगातार दो पैरालंपिक में शूटिंग स्पर्धा में दो गोल्ड मैडल जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। खेल के साथ अवनि को रामचरितमानस से भी शक्ति मिली है। अवनि के पिता प्रवीण लेखरा ने स्वयं यह बात बताई। पिता प्रवीण ने बताया कि रामचरितमानस की चौपाई 'कवन सो काज कठिन जग माहीं। जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं' को अवनि दोहराती है। पेरिस पैरालंपिक में जाते समय भी यह चौपाई अवनि लेखरा कागज पर लिखकर ले गई है। मात्र 11 साल की उम्र में यदि कोई बच्चा दुर्घटना का शिकार हो जाए और आगे की जिंदगी अपंगता में बीते तो उसका मनोबल टूट जाएगा, लेकिन अवनि लेखरा अपवाद है। वर्ष 2012 में जयपुर से धौलपुर जाते समय एक भीषण सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई अवनि एकाएक व्हीलचेयर पर आ गई थी। लग रहा था कि जीवन में आगे कोई उम्मीद नहीं है। निराशा ने चारों ओर से घेर लिया था, लेकिन परिवार ने संबल दिया। विशेषकर पिता प्रवीण लेखरा ने मनोबल बढ़ाया। टोक्यो पैरालंपिक के बाद पेरिस पैरालंपिक में अवनि ने गोल्ड मैडल जीतकर उन सभी लोगों में एक नए आत्मविश्वास का संचार किया है, जो जीवन में कहीं न कहीं निराश हो चुके हैं। जब सड़क हादसे के बाद बेटी व्हीलचेयर पर आ गई और निराशा में डूबी रहती थी, तब पिता ने उसे राइफल शूटिंग के प्रति प्रोत्साहित किया। मन बहलाने के लिए एक दिन शूटिंग रेंज तक ले गए। वर्ष 2015 में अवनि ने शौकिया शूटिंग की शुरुआत की। हालांकि, चुनौतियां पहाड़ जैसी बड़ी थीं। अवनि की उम्र भी बेहद कम थी। परिवार के पास संसाधन भी नहीं थे। जयपुर में शूटिंग को लेकर सुविधाएं भी पर्याप्त नहीं थीं। शुरू-शुरू में अवनि को राइफल तक उठाने में परेशानी होती थी अवनि ने जब पहला मैच खेला तो उसके पास खुद की राइफल तक नहीं थी। उधार की राइफल से उसने गोल्ड मैडल जीता था। 2016 का साल अवनि के जीवन में एक नया सवेरा लेकर आया। उसने स्पर्धाओं में तीन गोल्ड मैडल जीते, जिससे उसका इंटरनेशनल टूर्नामेंट के लिए चयन हो गया। वर्ष 2017 में यूएई में अवनि ने पहला वर्ल्ड कप खोला और सिल्वर मेडल जीत कर देश का मान बढ़ाया। टोक्यो पैरालंपिक में अवनि पहली भारतीय महिला बनीं, जिसने गोल्ड मैडल जीता। वो एक पैरालंपिक में दो मैडल (एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज) जीतने वाली पहली भारतीय हैं। अवनि पहली भारतीय ओलंपियन भी हैं, जिसने लगातार दो पैरालंपिक खेलों में गोल्ड मैडल जीते हैं। अवनि आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है, जो जरा सी असफलता से निराश हो जाती है। डिप्रेशन में चली जाती है। जो युवा आज डिप्रेशन में जा रहे हैं, वो अवनि की जिंदगी से सीख सकते हैं। अवनि के परिवार ने उसे बहुत सपोर्ट किया। उसी सपोर्ट की वजह से अवनि इस मुकाम पर पहुंची है। इसलिए हर परिवार की जिम्मेदारी है कि वो अपने बच्चों को अकेला न छोड़ें। बच्चे को सही राह दिखाएं। प्रत्येक बच्चे में कुछ न कुछ अद्भुत गुण छिपे होते हैं। बस उन्हें उभारने की जरूरत है। परिवार के बाद बच्चों को दिशा देने की जिम्मेदारी समाज की है। समाज के बाद सरकार का नंबर आता है। यदि बच्चे को इन तीनों संस्थाओं से सही राह मिले तो देश का पूरा परिदृश्य ही बदल जाएगा। आज भारत में लाखों युवा डिप्रेशन का शिकार हैं। कुछ नशे के आदी हो जाते हैं तो कुछ खुदकुशी तक कर लेते हैं। जैसे अवनि लेखरा रामचरितमानस से प्रेरणा लेती है, वैसे ही पेरिस ओलंपिक में दो ब्रॉन्ज मैडल जीतने वाली मनु भाकर श्रीमद्भगवद् गीता का नियमित पाठ करती है। युवा इन दोनों खिलाडि़यों के जीवन से सीख सकते हैं। यदि सही राह और अध्यात्म की शक्ति मिले तो हमारे युवा दुनिया जीतने का जज्बा रखते हैं।

शिक्षक सीखने की जमीन तैयार करता है एआई और आईटी के युग में सही वातावरण तैयार करना बड़ी जिम्मेदारी

शिक्षण को महज तकनीक से जोड़ना, सीखने की प्रक्रिया की संकीर्ण व्याख्या है। अच्छा शिष्य शिक्षक से एक-चौथाई, एक चौथाई खुद की बुद्धि से, एक-चौथाई सहपाठियों से और शेष ज्ञान जीवन के अनुभवों से प्राप्त करता है। आज के डिजिटल युग में, ज्ञान की उपलब्धता और शिक्षण की प्रक्रिया में बड़े परिवर्तन आए हैं। इंटरनेट, गूगल और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई ने शिक्षा को अधिक सुलभ और समृद्ध बना दिया है।?लेकिन इससे शिक्षक का महत्व कम नहीं होता। इस संदर्भ में एक श्लोक उद्धरणीय है; 'सद्वर्तनं च विद्वत्ता च तथाध्यापनकौशलम्। शिष्यप्रियत्वमित्यादि गुरोर्गुणचतुष्टयम्।।' अर्थात अच्छा व्यवहार, विस्तृत और गहरा ज्ञान, शिक्षण की तकनीक और शिष्यों में प्रिय होना यह अच्छे शिक्षक के चार गुण हैं। विचारणीय यह है कि एआई और आईटी की अन्य तकनीकें इनमें से किन गुणों की जगह ले सकती हैं। इन गुणों को ध्यान से देखें, तो हम पाते हैं कि मुख्यतः ज्ञान ही वह विशेषता है, जिसे एआई और दूसरी तकनीक कुछ हद तक प्रतिस्थापित कर सकती हैं। शिक्षण विधि तो एआई से विकसित की जा सकती है, लेकिन शिक्षक के व्यवहार और उसका प्रिय होना किसी भी तकनीक से प्रतिस्थापित नहीं किए जा सकते। एआई और गूगल जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स तुरंत और विशाल मात्रा में जानकारी प्रदान कर सकते हैं, लेकिन वे गहराई से समझाने, विश्लेषणात्मक सोच को प्रोत्साहित करने, और व्यक्तिगत प्रतिक्रिया देने में सीमित होते हैं। ये उपकरण सामान्य जानकारी और समाधान देते हैं, लेकिन अनेक बार ज्ञान के नैतिक और सामाजिक पहलुओं पर चर्चा नहीं कर सकते। इसके विपरीत, शिक्षक न केवल जानकारी की गहराई और संदर्भ प्रदान करते हैं, बल्कि छात्रों को प्रेरित भी करते हैं और उनके व्यक्तिगत विकास में मदद कर सकते हैं। वे यह भी मार्गदर्शन करते हैं कि इन प्लेटफॉर्म्स पर क्या और कैसे खोजा जाए, जिससे छात्रों की सीखने की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावशाली और व्यवस्थित बनाया जा सके। प्राचीन शिक्षा शिष्य के संपूर्ण विकास को लक्ष्य बनाती थी, जिसमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक पहलुओं का समावेश था।

जीवन के हर आयाम को शिक्षण से जोड़ते थे डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

राधाकृष्णन एक सफल राजनेता एक कुशल राजनयिक और उत्कृष्ट वक वक्ता तो थे ही। पर इन सबसे ऊपर वे एक उच्चकोटि के शिक्षक थे । एक शिक्षक के रूप उन्होंने अपने जीवन के बहुमूल्य चालीस साल बिताए। सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की चालीस साल के बाद अपने शैक्षिक अनुभव के आधार पर शिक्षा के बारे में यह टिप्पणी आज भी हमारे शिक्षण संस्थानों के लिए एक सबक की तरह है। खासतौर से सूचना क्रांति के इस दौर में जब -सूचनाओं और डाटा का अधिक से अधिक संग्रह और और उसका विश्लेषण करना हमारे योग्यता का पैमाना हो गया है। भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा, ज्ञान और विद्या अलग-अलग विधाएं रही हैं। शिक्षा का प्रयोजन उन विधाओं को खोजने से हैं- जो ज्ञान तक पहुंचाने की हमारी यात्रा में सहयोग करें। विद्या का सम्बन्ध -परा और अपरा विद्या से है अर्थात् सांसारिक और पारलौकिक विद्या से। इसी अर्थ में विद्या को- ' या विद्या सा विमुक्तये ' कहा गया है। मतलब वह विद्या जो हमें सांसारिक प्रपंच क्रोध, लोभ, द्वेष और घृणा से मुक्त कर पारलौकिक सत्ता से हमारा संबंध स्थापित करने में मदद करें। इसलिए हमारे शास्त्रों में कहा गया है - ' विघा गुरुणां गुरुः'। 'गु' का अर्थ है अंधकार और 'रू' का अर्थ है दूर करना। अंधकार सिर्फ बौद्धिक अज्ञानता का ही नहीं होता, बल्कि आध्यात्मिक अज्ञानता का भी होता है और जो आध्यात्मिक अज्ञानता को दूर करने में सक्षम हो, उसे गुरु कहा जाता है। एक गुरु का परम कर्तव्य है कि वह अपने शिष्यों में छिपी प्रतिभा, कौशल और योग्यता को उद्घाटित करें, उसे निखार और संवार दें। स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी के शिक्षा सम्बन्धी विचारों से प्रेरणा ग्रहण करते हुए राधाकृष्णन ने अपने शिक्षा दर्शन को विकसित किया है। महात्मा गांधी के अनुसार हमारी शिक्षा व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें 'हेड' 'हार्ट' एंड 'हैंड' अर्थात् मस्तिष्क हृदय और हाथ का समुचित उपयोग हो। मतलब यह कि शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान, विवेक और कौशल को विकसित करना होना चाहिए। ज्ञान जब सघन होता है, तो विवेक में बदल जाता है।राधाकृष्णन की तरह शिक्षा पर विचार करते हुए आध्यात्मिक विचारक जे् कृष्णमूर्ति कहते हैं कि- ठशिक्षा के उद्देश्य जब बड़े हो जाएंगे, तो बेरोजगारी भ्रष्टाचार अराजकता जैसी समस्याएं स्वतः खत्म होने लगेंगी, क्यों कि बड़ी सोच वाले नागरिक खुद इनके निदान के लिए आगे आने लगेंगे।ठ ऐसे नागरिक को तैयार करने के लिए एक शिक्षक को कैसा होना चाहिए? राधाकृष्णन कहते हैं कि- वह जिस विषय को पढ़ाता है, उसमें तो उसे महारत हासिल होनी ही चाहिए, अपने विषय में हो रहे नए अनुसंधान और विमर्शों से भी उसे जुड़े रहना चाहिए। ताकि वह ज्ञान की खोज यात्रा का सहयात्री बन सके। एक अच्छा शिक्षक वह होता है जो अपने विद्याथिर्यों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर सकें। आचार्य पतंजलि ने विद्या को तब तक उपयोगी नहीं माना है जब तक वह चार प्रक्रियाओं अर्थात् अध्ययन, मनन, प्रवचन और प्रयोग की कसौटी पर खरा न उतरें। इस प्रसंग में आचार्य विद्यानिवास मिश्र का यह कहना सर्वथा उचित प्रतीत होता है कि ठशिक्षा केवल अक्षर की ही नहीं होती, हर एक कौशल की, हर एक कला की होती है और सिखाने वाला जरूरी नहीं केवल साक्षर व्यक्ति ही हों। इसी अर्थ में भारतीय शिक्षा प्रणाली गुरु को ही एक संस्था मानती है। राधाकृष्णन एक सफल राजनेता एक कुशल राजनयिक और उत्कृष्ट वक वक्ता तो थे ही। पर इन सबसे ऊपर वे एक उच्चकोटि के शिक्षक थे । एक शिक्षक के रूप उन्होंने अपने जीवन के बहुमूल्य चालीस साल बिताए। एक शिक्षक बतौर वे अपनी कक्षाओं में बीस देर से और दस मिनट पहले अपनी कक्षा छोड़ दिया करते थे। वे भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति तो थे ही। पर उनकी वक्तृत्व क्षमता इतनी ओजस्वी और प्रभावी थी कि जवाहरलाल नेहरू की यह दिली ख्वाहिश थी कि भारत की आजादी के अवसर पर रात्रि 12:00 बजे के पहले वे भारत की जनता को संबोधित करें। 15 अगस्त सन् 1947 को रात्रि के ठीक 12:00 बजे का समय जवाहरलाल नेहरू को देश के प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेना था। इसलिए राधाकृष्णन को पहले ही यह बता दिया गया था कि वे अपना भाषण रात्रि 12:00 बजे के पहले खत्म कर दें। यह बात राधाकृष्णन और जवाहरलाल नेहरू के अलावा किसी अन्य को नहीं मालूम था। एक राजनेता के बजाय राधाकृष्णन हमेशा एक शिक्षक ही बने रहना चाहते थे।उनकी यह भी इच्छा थी कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में ही मनाया जाए, इसलिए भारत सरकार द्वारा सन् 1962 से उनका जन्मदिन 5 सितंबर इसी रूप में मनाया जाता है। राधाकृष्णन का जन्म 5 सितम्बर सन् 1888 को आंध्रप्रदेश के तिरूतनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। सन् 1960 तक यह गांव आंध्रप्रदेश का हिस्सा रहा। और इसके बाद तमिलनाडु प्रांत में शामिल हुआ। राधाकृष्णन की वक्तृत्व क्षमता से प्रभावित होकर इंग्लैंड के एच एन स्पाल्डिंग ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में सन् 1936 में 'इस्टर्न रिलिजन एंड एथिक्स' का चेयर की स्थापित किया। दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर के रूप में राधाकृष्णन ने स्वामी विवेकानंद के बाद पश्चिम और पूर्व के बीच एक सेतु का काम किया। दर्शनशास्त्र पर उनकी कई महत्वपूर्ण पुस्तकें हैं- जिनमें कुछ के नाम हैं -हिस्ट्री ऑफ इंडियन फिलासफी, इस्टर्न रिलिजन एंड वेस्टर्न थॉट, आइडियलिस्टिक व्यू ऑफ़ लाइफ, हिंदू व्यू ऑफ़ लाइफ, माय सर्च फॉर ट्रुथ और कालकी। अपनी पुस्तक 'कालकी ' में वे आधुनिक युग के बारे में कहते है कि -यह आध्यात्मिक खोखलापन नैतिक भ्रामकता और सामाजिक अराजकता का युग है। आर्थिक और बौद्धिक नृशंसता का युग है।ठ अपने देशमें आजादी के बाद सत्ता परिवर्तन के लिए तो कई आंदोलन हुए। पर गांधी और विनोबा के बाद कोई बड़ा आध्यात्मिक आंदोलन इस देश में खड़ा नहीं हो पाया। नब्बे के दशक के बाद नयी अर्थव्यवस्था के दौर में हमारे नैतिक मूल्यों का जीवन के हर क्षेत्र में जिस तरह से क्षरण हुआ है, उसकी कोई मिसाल नहीं है। इसलिए राधाकृष्ण का यह कहना कि। - ठआध्यात्मिक आकांक्षाओं की उपेक्षा हम बहुत दिनों तक नहीं कर सकते, क्योंकि वर्तमान व्याधि और अराजकता की स्थिति बहुत दिन तक टिक नहीं सकती। समकालीन भारतीय दार्शनिक के रूप में राधाकृष्णन की पहचान 'धार्मिक आध्यात्मवादी' के रूप में किया जाता है। भौतिकवादियों की आलोचना करते हुए वे अपने धार्मिक आध्यात्मवाद की प्रतिष्ठा करते हैं। उनका मानना है कि नीति, प्रेरणा, परोपकार, दया और करुणा जैसे नैतिक मूल्य अध्यात्मिकता से संबद्ध आकांक्षाएं हैं। भौतिक संसाधनों से तो इन्हें विकसित नहीं किया जा सकता। भौतिकवादी अनुभवातीत स्रोतों से प्राप्त होने वाले मानवतावाद को ही स्वीकार नहीं करते हैं। इस अर्थ में मानवतावाद जिस सत् की अवमानना करता है, वह जीवन का आधारभूत सत्य है धर्म और नीति का संबंध भी उससे है। राधा कृष्ण का मानना है कि- ठजिन मूल्यों को मानवतावाद स्वीकार करता है, उन्हें अतीन्द्रिय सत् से सम्बद्ध करने का कार्य धर्म का है , तभी ये मूल्य हमारे जीवन में सार्थक हो सकेंगे और तभी हमारी आस्था सबल और स्थायी हो सकेगी। बिना निष्ठा का कोई काम संपनन नहीं होता और निष्ठा का अंतिम स्रोत 'अध्यात्म' ही है। ज्यादातर पाश्चात्य दार्शनिक विश्व की व्याख्या करते हुए भौतिकवाद की तरफ ही आकर्षित हुए हैं। राधाकृष्णन 'वर्तमान धर्म संकट' नामक अपने एक लेख में बर्ट्रैंड रसेल के हवाले से बताते हैं कि- प्रो जी ई मूर अपने एक लेख में लिखते है कि आरंभ में पदार्थ ही था, पदार्थ से शैतान पैदा हुआ और शैतान ने ईश्वर को जन्म दिया। और ईश्वर मर गया; उसके बाद शैतान मरा और फिर पदार्थ ही शेष रह गया। इस पदार्थ का अस्तित्व सर्वत्र इतना व्यापक हो गया कि जर्मन दार्शनिक नीत्शे ने बहुत पहले ही घोषणा कर दी थी कि 'ईश्वर मर चुका है।' पाश्चात्य दर्शन में भौतिक पदार्थी की सत्ता लगभग सर्वमान्य है। जबकि भारतीय दर्शन में धरती पर मनुष्य की सत्ता से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं है। महाभारत के एक श्लोक में कहा गया है कि- 'न मानुषात् श्रेष्ठतरं हि किंचित' भारतीय ज्ञान परंपरा में हम प्रशन और उत्तर के द्वारा किसी समाधान तक पहुंचाते हैं। पर यह समाधान भी कोई अंतिम समाधान नहीं होता। इसमें नित्य परिष्कार की संभावना सदा बनी रहती है। अपने अध्ययन के दौरान राधाकृष्णन को यह एहसास हुआ कि कुछ ईसाई संस्थाएं हिंदू धर्म को हेय दृष्टि से दखती हैं। इस आरोप को खारिज करते हुए राधाकृष्णन कहते हैं कि - ठभारतीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा धर्म, ज्ञान और सत्य पर आधारित है। सभी धर्मी के प्रति सम्मान का भाव हिंदू संस्कृति की विशेषता रही है। यह विश्व एक विद्यालय है इस विद्यालय में शिक्षा के द्वारा मानव मस्तिष्क का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम किस तरह मानवीय सभ्यता का विकास होते हुए देखना चाहते हैं और उसमें अपनी कल्याणकारी भूमिका कैसे निभाते है। मात्र उपदेश देने से ही हमारे कर्तव्यों की इति श्री नहीं हो जाती है।

दुष्कर्म और न्यायालयः महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों में देरी से न्याय और राष्ट्रपति की संवेदनशीलता

राष्ट्रपति ने आम आदमी की पीड़ा को अभिव्यक्ति दी है। उनके इस भाषण को अजमेर के चर्चित छात्राओं के ब्लैकमेल कर रेप करने की घटना से जोड़ दें तो स्थिति उससे भी भयावह दिखती है, जिस ओर राष्ट्रपति जी का इशारा है। जब रेप जैसे मामलों में तत्काल न्याय नहीं मिलता तो लोगों का भरोसा उठ जाता है। अदालतों में तारीख पर तारीख की संस्कृति को बदलने और त्वरित न्याय सुनिश्चित करना जरूरी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ये बातें न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में कहीं। सुप्रीम कोर्ट की 75 वीं वर्षगांठ पर नई दिल्ली में इसका आयोजन किया गया था। उन्होंने कहा कि जब रेप जैसे मामलों में कोर्ट का फैसला एक पीढ़ी गुजर जाने के बाद आता है, तो आम आदमी को लगता है कि न्याय की प्रक्रिया में कोई संवेदनशीलता नहीं बची है। राष्ट्रपति ने आम आदमी की पीड़ा को अभिव्यक्ति दी है। उनके इस भाषण को अजमेर के चर्चित छात्राओं के ब्लैकमेल कर रेप करने की घटना से जोड़ दें तो स्थिति उससे भी भयावह दिखती है, जिस ओर राष्ट्रपति जी का इशारा है। अजमेर में करीब 34 वर्ष पूर्व 100 से अधिक स्कूली छात्राओं से ब्लैकमेल कर दुष्कर्म किया जाता था। कहते हैं इसमें अजमेर शरीफ दरगाह कमेटी से जुड़े कई लोगों के नाम भी आए थे। इसलिए पुलिस ने पहले रुचि नहीं ली। आंदोलन के बाद केस दर्ज हुए। 32 वर्ष बाद, अभी एक माह पूर्व उसका फैसला वहां की अदालत ने सुनाया। यह स्वाभाविक सवाल सबके मन में उठेगा की 32 वर्षों तक आखिर कोर्ट क्या करता रहा? कोर्ट के फैसले को क्या न्याय कह सकते हैं? यह तो न्याय का उपहास है। उन पीडि़त बच्चियों का उपहास है। यह क्यों न माना जाए की फैसला देने में विलंब करके प्रभावशाली दुष्कमिन्यों को संरक्षण दिया गया? रेप समेत सभी केसों में यही स्थिति है। अदालतें सिर्फ तारीख पर तारीख देती हैं। उन्हें इसमें जरा भी लज्जा महसूस नहीं होती। मुख्य न्यायाधीश से लेकर निचली अदालतों के जज तक पेंडिंग केसों का रोना रोते रहते हैं। लेकिन सच तो यह है कि केसों के पेंडिंग होने के लिए जजों की कार्यप्रणाली ही जिम्मेवार है। मामूली केसों में भी लंबे लंबे डेट दिए जाते हैं। जानबूझ कर केसों को लटकाए रखा जाता है। देश की विभिनन अदालतों में अभी 5 करोड़ से अधिक मुकदमें पेंडिंग हैं। खेद के साथ कहना पड़ता है कि इसके लिए सिर्फ अदालतों में बैठे हाकिम जिम्मेवार हैं। रेप और हत्या जैसे गंभीर अपराधों पर भी अदालतें गंभीर नहीं होती। यही वजह है कि अजमेर रेप कांड में 32 साल बाद सजा सुनाई गई। चर्चित निभन्य केस में अपराधी को 12 वर्ष बाद फांसी दी जा सकी। देश में रेप की बढ़ती घटनाओं के पीछे देरी से सजा मिलना भी एक बड़ी वजह है। दुष्कर्मी जानता है की वह मुकदमें को जितने साल चाहे लंबा खिंच सकता है। इस बीच पीडि़त को डरा धमकाकर केस को कमजोर कर दिया जाता है और अन्ततः दुष्कर्मी बरी हो जाता है। कोर्ट की सुस्ती से अपराधियों का हौसला बढ़ता है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। साथ ही कानून का डर भी खत्म हो जाता है। ँ के मुताबिक देश में प्रति 16 मिनट पर एक रेप और हर घंटे महिलाओं के विरुद्ध 50 अपराधिक घटनाएं हो रही हैं।रेप केस में 2 माह के अंदर जांच पूरी कर लेनी है। लेकिन पुलिस ऐसा नहीं करती। निभन्या केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में चला तब भी दोषियों को फांसी देने में 12 साल लगे।इस आलोक में यह क्यों न माना जाए की आज अदालतें गुनहगारों के साथ खड़ी हैं, पीडि़तों के साथ नहीं किसी भी सभ्य समाज के लिए यह शर्मनाक स्थिति है। क्या राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की बातें न्यायाधीशों की अंतरात्मा को जगा पाएंगी? क्या यह उम्मीद की जाए की अदालतों की तारीख पर तारीख वाली कार्यशैली में सुधार होगा? रेप और हत्या के मुकदमों में एक साल के अंदर फैसला आएगा? या फिर इस कान से सुना उस कान से निकल जाएगा? महामहिम राष्ट्रपति जी की तरह देश के लाखो पीडि़त-शोषित आपकी ओर बहुत उम्मीद से देख रहे हैं मीलॉर्ड, कुछ तो कीजिए! सिर्फ नया झंडा और नया प्रतीक चिन्ह धारण कर लेने से कुछ नहीं होगा जबतक कार्य प्रणाली नई नहीं होगी।

स्पोर्ट्स

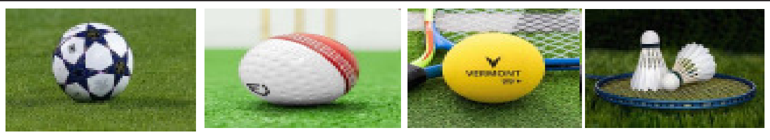

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए तैयार हैं गिल, दलीप ट्रॉफी में स्पिनर्स की चुनौती पर दिया यह बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शुभमन गिल का मानना है कि उनका टेस्ट करियर अभी तक उम्मीदों के मुताबिक शिखर पर नहीं पहुंचा है, लेकिन आगामी सत्र में 10 आगामी सत्र में 10 टेस्ट मैचों में स्पिनरों के खिलाफ उनके डिफेंस में सुधार की उम्मीद है। गिल ने इस साल इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में करीब 500 रन बनाए थे जो अभी को टेस्ट प्रारूप में अभी धमाका करना बाकी है और उन्हें जल्द ही इसमें बदलाव की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में मेरा प्रदर्शन अभी तक मेरी उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा

टेस्ट मैचों में स्पिनरों के खिलाफ उनके डिफेंस में सुधार की उम्मीद है। भारत को इस महीने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इसके लिए अभी तक भारतीय टीम का एलान नहीं हुआ है। हालांकि, उससे पहले दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में भारत के कई स्टार खिलाड़ी नजर आएंगे। इस टूर्नामेंट को बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए टीम चयन का आधार माना जा रहा है। बांग्लादेश की टीम ने हाल ही में पाकिस्तान को 2-0 से क्लीन स्वीप कर तहलका मचाया है। ऐसे में इस टीम से कड़ी चुनौती की उम्मीद की जा रही है। खासतौर पर बांग्लादेश के स्पिनर्स कड़ी टक्कर दे सकते हैं। इस चुनौती को लेकर शुभमन गिल ने बयान दिया है। गिल ने कहा है कि स्पिनर्स के खिलाफ उन्होंने डिफेंस मजबूत की है।शुभमन गिल का मानना है कि उनका टेस्ट करियर अभी तक उम्मीदों के मुताबिक शिखर पर नहीं पहुंचा है, लेकिन तक टेस्ट क्रिकेट में उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। अब वह 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू हो रही दो मैचों की सीरीज में इसे और बेहतर बनाना चाहते हैं जिसमें उन्हें मेहमान टीम के अनुभवी स्पिनरों से चुनौती मिलेगी। दलीप ट्रॉफी में टीम ए की अगुआई करने वाले गिल ने बुधवार को कहा, 'मैंने स्पिनरों के खिलाफ अपने डिफेंस पर थोड़ा और काम किया। जब आप स्पिनरों के खिलाफ 'टर्निंग' पिच पर खेल रहे होते हैं तो आपको काफी अच्छा रक्षण करने में सक्षम होना चाहिए क्योंकि फिर आप रन जुटाने वाले शॉट खेल सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'अभी काफी अधिक टी20 खेले जा रहे हैं तो सपाट ट्रैक नहीं बल्कि बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर मुझे लगता है इससे आपका डिफेंसिव खेल थोड़ा कम हो जाता है। इसलिए इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मेरा ध्यान इसी पर लगा है।' गिल सफेद गेंद के प्रारूपों में धमाकेदार रहे है, लेकिन इस 24 साल के खिलाड़ी है। लेकिन हमें इस सत्र में 10 टेस्ट मैच खेलने हैं और जब मैं इन मुकाबलों के बाद मुड़कर देखूंगा तो आशा करता हूं कि मेरी उम्मीदें पूरी हो जाएंगी।' गिल बतौर खिलाड़ी और व्यक्तिगत तौर पर भी परिपक्व होने पर जोर देते हैं। उन्होंने भारत की कप्तानी और इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटन्स की कप्तानी के संदर्भ में बात करते हुए कहा, 'आप जिस भी प्रत्येक मैच और प्रत्येक टूर्नामेंट में खेलते हो आप इसमें से कुछ सीख लेना चाहते हो, भले ही आप कप्तान हो या नहीं। लेकिन अगर आप कप्तान हो तो आपको अन्य खिलाडि.यों के बारे में भी जानने को मिलता है। कप्तान के लिए खिलाडि.यों से जुड़ाव होना महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा, 'आपको उनकी मजबूती और कमजोरी के बारे में जानना चाहिए। मेरे अंदर कुछ बदलाव हुए हैं क्योंकि जब आप कप्तान या उप कप्तान होते हो तो आपको अपने खिलाडियों से बातचीत करनी होती है।

शर्मनाक हार के बाद पीसीबी ने उठाया सख्त कदम, नए केंद्रीय अनुबंध से पहले होगा कड़ा फिटनेस टेस्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। छह से आठ सितंबर के बीच फिटनेस टेस्ट का आयोजन लाहौर में किया जाएगा। इस प्रक्रिया की निगरानी सफेद गेंद के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन, टीम के फिजियोथेरेपिस्ट और ट्रेनर करेंगे। बांग्लादेश के खिलाफ मिली शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) बदलाव की तैयारी में है। पीटीआई के मुताबिक, नए केंद्रीय अनुबंध से पहले पाकिस्तानी खिलाडियों को सख्त फिटनेस टेस्ट देना होगा। यह नियम वर्तमान में अनुबंधित खिलाड़ी और अन्य अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खिलाडि.यों पर लागू होगा। छह से आठ सितंबर के बीच फिटनेस टेस्ट का आयोजन लाहौर में किया जाएगा। इस प्रक्रिया की निगरानी सफेद गेंद के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन, टीम के फिजियोथेरेपिस्ट और ट्रेनर करेंगे। इसके बाद सभी खिलाड़ी चैंपियंस कप के लिए फैसलाबाद रवाना होंगे। पीसीबी के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा- फिटनेस टेस्ट से यह तय होगा कि इस साल किन खिलाडियों को अनुबंध मिलेगा। वहीं, उनके प्रदर्शन को भी प्राथमिकता दी जाएगी। दोनों विदेशी कोच (कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी) ने चयनकर्ताओं और बोर्ड को स्पष्ट कर दिया है कि खिलाडियों के चयन के लिए उनका पहला मानदंड उनकी फिटनेस होगी। हाल ही में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हराकर इतिहास रचा था। पाकिस्तानी खिलाडि.यों और बोर्ड को इस वजह से आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। सूत्र ने पीटीआई से आगे कहा- गिलेस्पी बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में खेले गए टेस्ट मैचों में कुछ खिलाडियों की फिटनेस से खुश नहीं थे और उनका मानना था कि खिलाड़ी टेस्ट मैचों के सभी सत्रों के दौरान अपनी तीव्रता और सहनशक्ति बरकरार नहीं रख पाए।

बांग्लादेश से सीरीज हार के बाद पाकिस्तान को बड़ा नुकसान, टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बांग्लादेश अब दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगा जिसका पहला टेस्ट मैच पहुंच गई।पाकिस्तान पहले टेस्ट मैच में 10 विकेट से और दूसरे मैच में छह विकेट से हार गया था। यह दोनों मैच रावलपिंडी में खेले गए थे। पहली बार इतने कम रेटिंग अंकों पर पहुंचा है।' बांग्लादेश 13 रेटिंग अंक हासिल करने के बावजूद पाकिस्तान से पीछे नौवें स्थान पर

19 सितंबर से चेनन्ई में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा। इसके बाद छह अक्तूबर से दोनों देशों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। बांग्लादेश के हाथों पहली बार टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसक गया और उसकी रेटिंग 1965 के बाद पहली बार अपने न्यूनतम स्तर पर आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'बांग्लादेश के हाथों अपने घरेलू मैदान पर श्रृंखला में करारी हार झेलने के बाद पाकिस्तान आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम रैंकिंग में दो स्थान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गया है।' वेबसाइट के अनुसार', 'पाकिस्तान की टीम सीरीज से पहले छठे स्थान पर थी, लेकिन लगातार हार के कारण वह वेस्टइंडीज से नीचे आठवें स्थान पर पहुंच गई है। उसके 76 रेटिंग अंक हैं। पाकिस्तान 1965 के बाद बना हुआ है। श्रृंखला में 2-0 से जीत के बाद हालांकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में उसको फायदा हुआ है और वह भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गया है। बांग्लादेश अब दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगा जिसका पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से चेनन्ई में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा।

कप्तान मसूद ने पाकिस्तान टीम में अनबन की खबरों का किया खंडन, अफरीदी गिलेस्पी मामले पर दिया यह बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद ने अपने और स्टार तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी के बीच दरार की बढ़ती अटकलों पर विराम लगा दिया है। बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान की शर्मनाक टेस्ट सीरीज हार के बाद यह सामने आया था कि टीम में अनबन है। इस दौरान अनबन की कई वीडियो और तस्वीरें भी सामने आई थीं। एक वीडियो में तो शाहीन को मसूद के कंधे पर से हाथ को हटाते देखा गया था, जबकि दूसरे वीडियो में मसूद ड्रेसिंग रूम में मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी से भिड़ते हुए दिखे थे। अब मसूद ने इन सभी मामलों पर बयान दिया है। मसूद ने स्पष्ट किया कि अफरीदी मामले में गुस्सा नहीं, बल्कि सावधानी थी। मसूद ने बताया कि अफरीदी ने अपना हाथ इसलिए हटाया क्योंकि उन्होंने उस हिस्से पर हाथ रखा था जहां तेज गेंदबाज को चोट लगी थी। मसूद ने कहा कि इसमें और कुछ नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि जो घटना हुई थी, जहां मैंने शाहीन के कंधे पर हाथ रखा था और उन्होंने इसे हटा दिया था, वह मुझसे नाराज नहीं थे। वह नाहिद राणा से टकरा गए थे और मैंने उस सटीक जगह को छुआ था। दर्द होने पर उन्होंने हाथ हटाया था।' एक और घटना घटी थी जहां मसूद को बाउंड्री लाइन पर शाहीन अफरीदी पर चिल्लाते हुए देखा गया था। हालांकि, अब कप्तान ने कहा है कि वह गुस्सा अफरीदी के लिए नहीं था, बल्कि वह मुख्य कोच गिलेस्पी से नाराज थे। मसूद ने कहा कि पुरानी गेंद इस्तेमाल करने को लेकर वह गिलेस्पी से नाराज चल रहे थे और इसका अफरीदी से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं जेसन गिलेपी पर गुस्सा था। लिटन के शॉट मारने के बाद हमारी गेंद स्टैंड में चली गई थी। वह गेंद आठ ओवर पुरानी थी। अंपायरों द्वारा गेंद को बदलने के बाद हमने देखा कि यह बहुत पुरानी थी, 18-19 ओवर पुरानी थी और मैं बहस कर रहा था कि हमें एक बेहतर गेंद की जरूरत है। फिर मैंने कुछ अफवाहें देखीं। इसलिए हम मैचों के दौरान सोशल मीडिया कम देखने की कोशिश करते हैं।' रावलपिंडी में पाकिस्तान को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में बांग्लादेश से शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। बांग्लादेश ने पहला टेस्ट 10 विकेट और दूसरा टेस्ट छह विकेट से जीतकर पाकिस्तान का सूपड़ा साफ कर दिया। 2023 में कप्तानी संभालने के बाद से मसूद की लगातार पांचवीं हार थी। उनके कार्यकाल की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में हार के साथ हुई। अब उन्हें बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा है। ये हार पाकिस्तान के लिए इसलिए भी शर्मनाक है, क्योंकि उन्हें पहले कभी टेस्ट मैच में बांग्लादेश ने नहीं हराया था। मसूद ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान को टेस्ट में सुधार करने के लिए टीम को अधिक टेस्ट मैच खेलने चाहिए।

दलीप ट्रॉफी में ऋषभ पंत पर होंगी निगाहें, लंबे समय बाद इस प्रारूप में कर रहे हैं वापसी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अब वह अभिमन्यु ईश्वरन की अगुआई वाली टीम बी की तरफ से मैदान पर उतरेंगे जिसका मुकाबला यहां चिननस्वामी स्टेडियम में शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम ए से होगा। 2022 में सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद पहली बार लंबी अवधि के प्रारूप में वापसी कर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत गुरुवार से बेंगलुरु और अनंतपुर में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में आकर्षण का केंद्र होंगे। पंत ने चोटों से उबरने के बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट में सफल वापसी की लेकिन वह अभी तक लंबी अवधि के प्रारूप में नहीं खेले हैं। उन्होंने लाल गेंद से अपना अंतिम मैच दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था।अब वह अभिमन्यु ईश्वरन की अगुआई वाली टीम बी की तरफ से मैदान पर उतरेंगे जिसका मुकाबला यहां चिननस्वामी स्टेडियम में शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम ए से होगा। सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी करने में उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई लेकिन यह चार दिवसीय टूर्नामेंट उनके लिए अलग तरह की चुनौती पेश करेगा क्योंकि उन्हें विकेटकीपर और बल्लेबाज के रूप में लंबा समय मैदान पर बिताना पड़ सकता है।पंत को टीम बी का विशेषज्ञ विकेटकीपर नियुक्त किया गया है जिससे पता चलता है कि भारत के टेस्ट क्रिकेट में आगे व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति इस विकेटकीपर बल्लेबाज की वापसी को लेकर कितनी गंभीर है। चयन समिति के लिए हालांकि विकेटकीपर का चयन करना आसान नहीं होगा क्योंकि कुछ अन्य मजबूत दावेदार भी हैं। इनमें टीम ए की तरफ से खेलने वाले ध्रुव जुरेल भी शामिल है जिन्होंने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पदार्पण श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। उनके अलावा ईशान किशन भी हैं जो श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम डी के विकेटकीपर हैं। टीम डी का मुकाबला अनंतपुर में टीम सी से होगा जिसकी कप्तानी रुतुराज गायकवाड़ को सौंपी गई है। चयन समिति इसके अलावा विशेषकर तेज गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज के विकल्प तलाशने पर भी ध्यान देगी क्योंकि भारतीय टीम का आगे काफी व्यस्त कार्यक्रम है। सिराज अस्वस्थ होने के कारण टूर्नामेंट के पहले दौर में नहीं खेल पाएंगे जबकि शमी अभी ऑपरेशन के बाद पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। ऐसे में चयनकर्ता बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और आकाशदीप पर पैनी नजर रखेंगे। इनके अलावा अर्शदीप सिंह, अवेश खान, खलील अहमद, विदवथ कावेरप्पा, वैसाख विजयकुमार और हर्षित राणा भी चयन समिति को प्रभावित करने की कोशिश करेंगे।

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी की कीमत से तीन गुना ज्यादा टैक्स देते हैं कोहली, धोनी से दोगुना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोहली पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलने के बाद क्रिकेट से ब्रेक पर हैं। वह भारत की सबसे ज्यादा टैक्स देने वाली हस्तियों की सूची में अन्य खेल हस्तियों से आगे हैं। फॉर्च्यून इंडिया द्वारा जारी एक सूची के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली वित्तीय वर्ष 2023-24 में देश में सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले खिलाड़ी हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत के शीर्ष खेल आइकन में से एक कोहली ने वित्त वर्ष 2023-24 में 66 करोड़ रुपये का भुगतान किया। यह राशि आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी मिचेल स्टार्क (?24.75 करोड़) की बिक्री मूल्य से लगभग तीन गुना अधिक है। ओवरऑल सेलिब्रिटी की बात करें तो उनके ऊपर सिर्फ शाहरुख खान (92 करोड़), विजय (80 करोड़), सलमान खान (75 करोड़) और अमिताभ बच्चन (71 करोड़) का नंबर आता है।कोहली पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलने के बाद क्रिकेट से ब्रेक पर हैं। वह भारत की सबसे ज्यादा टैक्स देने वाली हस्तियों की सूची में अन्य खेल हस्तियों से आगे हैं।

राशिफल

मेष-: स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है

वृष-: वदिन आपके लिए मंगलमय रहेगा। आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-: दिन भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-: जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-: आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-: आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-: किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-: भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-: भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से आज विचलित हो सकता है।

मकर-: खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अडियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-: आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-: आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

मेरे पिता को मानसिक समस्याएं योगराज के धोनी पर जुबानी हमले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने हाल ही में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी पर जुबानी हमला बोला था। इसके बाद सोशल मीडिया पर योगराज की जमकर आलोचना हुई थी। अब युवराज का एक पुराना वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें वह अपने पिता की मानसिक समस्याओं पर बात करते दिख रहे हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट से ली गई एक क्लिप में युवराज स्वीकार करते हैं कि उनके पिता को कुछ मानसिक समस्याएं हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे पिता को मानसिक समस्या है, लेकिन वह इसे स्वीकार नहीं करेंगे।' युवराज ने चार नवंबर, 2023 को जारी पॉडकास्ट एपिसोड में यह बात कही थी। युवराज ने स्वीकार किया कि उनके पिता जीवन में सफल रहे हैं, लेकिन वह उनकी कुछ चीजों को स्वीकार नहीं करते। युवराज ने कहा, 'मुझे लगता है कि कुछ चीजें हैं जिन पर उन्हें ध्यान देने की जरूरत है, लेकिन वह इसे स्वीकार नहीं करते।' युवराज और धोनी एक दशक से अधिक समय से भारतीय टीम के साथी रहे हैं और एक समय युवराज ने धोनी के डिप्टी के रूप में काम किया था। हालांकि, विवाद की जड़ इस तथ्य को माना जाता है कि 2007 में राहुल द्रविड़ के बाद धोनी को कप्तानी दी गई थी, जबकि युवराज द्रविड़ के उप-कप्तान भी थे। युवराज कई बार इसे जाहिर भी कर चुके हैं कि उन्हें लगा था कि कप्तानी उन्हें दी जाएगी। हालांकि, मैदान पर उतरकर दोनों ने देश को कई मैचों में जीत दिलाई। इसे सुपरहिट जोड़ी माना जाता है। युवराज ने इस पॉडकास्ट में यह भी कहा था कि वह और धोनी दोस्त नहीं हैं, लेकिन देश के लिए खेलते वक्त उनका ध्यान सिर्फ भारत को जिताने पर होता था। इससे पहले योगराज ने जी स्विच के यूट्यूब चैनल से बातचीत करते हुए कहा, 'मैं एमएस धोनी को माफ नहीं करूंगा। उन्हें आईने में अपना चेहरा देखना चाहिए। वह बहुत बड़े क्रिकेटर हैं, लेकिन उन्होंने मेरे बेटे के खिलाफ जो किया है, वह सब कुछ अब सामने आ रहा है। उन्हें जीवन में कभी माफ नहीं किया जा सकता। मैंने जीवन में कभी दो चीजें नहीं की हैं, पहला जिसने मेरे लिए गलत किया है, मैंने उसे कभी माफ नहीं किया है और दूसरा, मैंने अपने जीवन में कभी भी उन्हें गले नहीं लगाया है, चाहे वह मेरे परिवार के सदस्य हों या मेरे बच्चे।' यह पहली बार नहीं है जब योगराज ने धोनी पर सीधा निशाना साधा है। इस साल की शुरुआत में 66 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर ने दावा किया था कि धोनी के बुरे कामों के कारण सीएसके आईपीएल 2024 हार गई। उन्होंने धोनी पर युवराज से ईर्ष्या करने का भी आरोप लगाया। योगराज ने कहा था, 'सीएसके आईपीएल 2024 हार गई। वे क्यों हार गए? जो बोओगे, वैसा ही काटोगे। युवराज सिंह आईसीसी के एम्बेसडर हैं, उन्हें सलाम! ईर्ष्यालु धोनी, वह कहां हैं? उसने युवराज से हाथ तक नहीं मिलाया और यही कारण है कि सीएसके इस साल विफल रही।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

अमित कुमार ने नेकी का डब्बा के साथ जुड़कर गरीबों का नि:शुल्क इलाज करने का लिया संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नेकी का डब्बा के मिशन की सत्यनिष्ठा से प्रेरित होकर, डॉ. अमित

कपूर, एक अनुभवी बाल रोग विशेषज्ञ, अब नेकी का डब्ब के साथ जुड़ गए हैं और गरीब बच्चों का मुफ्त इलाज करने का संकल्प लिया है डॉ. कपूर, पावी चाइल्ड क्लिनिक, ग्रेटर नोएडा वेस्ट के संस्थापक और निदेशक, नेनेकी का डब्बा के साथ जुड़कर गरीब माता-पिता के बच्चों का मुफ्त इलाज (ओपीडी) करने का संकल्प लिया है, जो एक अत्यधिक सराहनीय और मानवतापूर्ण कदम है। इस साझेदारी से हमें अपने नेकी की दवा मुहिम में नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी। हम गरीब और जरूरतमंद बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे। हमें विश्वास है कि डॉ. कपूर की विशेषज्ञता और समर्थन से हम अपने मुहिम में और भी ज्यादा सफल होंगे और बीमार रुग्ण मासूम जिंदगियों में एक राहत ए रूह बनकर जियेंगे।इस मुहिम का नाम जानी मानी उपन्यास लेखिका सपना जैन ने नेकी की दवा एक मुहीम जान बचाने की रखा है।

भाजपा सदस्यता अभियान की हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा जिला कार्यालय सेक्टर 116 में सदस्यता अभियान की जिला बैठक का अयोजन हुआ। यदुवंशी ने सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारियों की सराहना की और बताया की इस अभियान के माध्यम से हम सभी लोगो से मिलने का मौका मिला साथ ही सरकार के चल रहे

इस बैठक में मुख्य रूप से एम.एल.सी विधायक प्रदेश महामंत्री भाजपा सुभाष यदुवंश, जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता और पूर्व प्रदेश महिला आयोग अध्यक्षा विमला बाथम मौजूद रही। इस बैठक में नोएडा में चल रहे सदस्यता अभियान के बारे में चर्चा हुई। अभी तक 35000 से ज्यादा सदस्य इस अभियान के माध्यम से बन चुके हैं । सुभाष सभी कार्यों को आप लोगो तक पहुंचेंगे। इस बैठक में महामंत्री उमेश त्यागी, गिरजा सिंह, गिरीश कोटनाला, मनीष शर्मा, युद्धवीर चौहान, डिंपल आनंद, चमन अवाना, एस पी चमोली, प्रमोद बहल, उमेश यादव, प्रदीप चौहान, पंकज झा, कल्लू सिंह, गोपाल गौर, अमरीश त्यागी, शारदा चतुर्वेदी, शिवानी शारदा आदि सभी जिले और मंडल के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

विदेश मंत्री ने जेनेवा में भारतीय मिशन का उद्घाटन किया, डॉ आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण भी किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विदेश मंत्री ने भारतीय मिशन के परिसर में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण भी किया। साथ ही मिशन के एक हॉल का नामकरण मशहूर मानवाधिकार कार्यकर्ता हंसा मेहता के नाम पर भी किया। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर 12-13 सितंबर को स्विट्जरलैंड के दौरे पर रहे। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि विदेश मंत्री ने स्विट्जरलैंड के जेनेवा में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों से मुलाकात की। साथ ही संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के उच्चायुक्त वॉल्कर टर्क, विश्व स्वास्थ्य संगठन के निदेशक डॉ. टेड्रोस गैब्रेसियस से भी मुलाकात की। इन मुलाकात में बहुपक्षीयवाद, मानवाधिकार और मौजूदा भू-राजनीति के मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही सार्वजनिक स्वास्थ्य और पारंपरिक स्वास्थ्य व्यवस्था के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। विदेश मंत्री ने जेनेवा में नए भारतीय मिशन का उद्घाटन किया। इस मिशन में संयुक्त राष्ट्र में तैनात रहने वाले अधिकारी, विश्व व्यापार संगठन और भारत के महावाणिज्यदूत रहेंगे। विदेश मंत्री ने भारतीय मिशन के परिसर में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण भी किया। साथ ही मिशन के एक हॉल का नामकरण मशहूर मानवाधिकार कार्यकर्ता हंसा मेहता के नाम पर भी किया। हंसा मेहता ने ही मानवाधिकार के वैश्विक डिक्लेयरेशन में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई थी। विदेश मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत परिसर में एक पेड़ भी लगाया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित

सम्पादक:-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20

website:www.adhuniksamachar.com

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।